डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 344 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 02 अक्टूबर 2024 | मूल्य 2 रुपया

कम नहीं हो रही तपन, उमस में भी बढ़ोतरी

मंदसौर, 01 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। सोमवार को शहर सहित अंचल में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। दूसरे दिन फिर से लोगों को तेज गरमी और उमस का सामना करना पड़ा। मंगलवार को जिले में तेज धूप और गरमी रही। दिनभर धूप खिली रही और मौसम साफ रहा। जिले में अब तक 35.24 इंच बारिश दर्ज की गई है। मौसम जानकारों के अनुसार वर्तमान में मध्यप्रदेश में बारिश का कोई सिस्टम एक्टिव नहीं है। इस वजह से अगले पांच दिन बारिश का अलर्ट नहीं है। इधर इस सप्ताह से मानसून की विदाई भी शुरू हो जाएगी। ग्वालियर-चंबल में सबसे पहले इसकी विदाई का अनुमान है। जिले में मंगलवार सुबह तक 35.24 इंच बारिश दर्ज की गई है। इधर चम्बल नदी पर बने गांधी सागर बांध का जलस्तर 1311.41 फीट पहुंच गया है। वहीं मंदसौर- 795 एमएम, सीतामऊ- 919 एमएम, सुवासरा- 968 एमएम, गरोठ- 873 एमएम, भानपुरा- 780 एमएम, मल्हारगढ़- 883 एमएम, धुंधडका- 928 एमएम, शामगढ़- 1177 एमएम, संजीत 755 एमएम, कयामपुर- 814 एमएम, भावगढ़- 955 एमएम बारिश दर्ज की गई है।

कमीशनखोर हुए निराश...

अब स्कूल यूनिफार्म के लिए नहीं करना होगा इंतजार

शासन ने कलेक्टर को जारी किए निर्देश, विद्यार्थियों के खातों में सीधे जमा होंगे 600 रूपए

मंदसौर, 01 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जिले के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले आठवीं तक के बच्चों को अब स्कूल से मिलने वाली ड्रेस का इंतजार नहीं करना होगा। सरकार स्कूल ड्रेस के 600 रुपए सीधे विद्यार्थियों के खातों में ट्रांसफर करेगी। इस प्रक्रिया से ना सिर्फ भ्रष्टचार व कमीशनखोरी रुकेगी। बल्कि बच्चों को यूनिफार्म के लिए एक से दो साल तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। इस संबंध में शासन ने कलेक्टरो को निर्देश जारी किए है।

मप्र डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से जिले के सरकारी प्राथमिक व माध्यमिक स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को हर साल दो जोड़ स्कूल ड्रेस स्व सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा सिलकर देने के बाद ब्लाक स्कूलों में वितरीत की जा रही थी। स्कूल शिक्षा विभाग के अनुसार एक ड्रेस की ब्लाक कीमत 300 रु. जबकि दो जोड ड्रेस 600 रु. की होती है। लेकिन, पिछले दो सालों से ड्रेस वितरण के मामले में कमीशन खोरी और भ्रष्टचार के मामले सामने आए। विद्यार्थियों को कई जगहों पर यूनिफार्म के लिए इंतजार भी करना पड रहा था। इस दौरान बच्चे घर के कपड़ों के अलावा फटी व पुरानी ड्रेस पहनकर ही स्कूल आ रहे थे। मंदसौर सहित प्रदेश में कई जगहों पर काफी शिकायतों के बाद शासन ने अन्य जिलों की तरह मंदसौर सहित सभी जिलो में स्कूल ड्रेस की राशि सीधे बच्चों के खातों में डालने का निर्णय ले लिया है।

दो साल पहले स्व-सहायता समूहों को दिया था काम...

दो साल पहले स्व-सहायता समूहों को ड्रेस का जिम्मा सौंपा गया। इसके पूर्व वर्तमान में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया ही चल रही थी। जिसमें खातों में रुपए आ रहे थे। लेकिन, पूर्व में इस प्रक्रिया में अभिभावकों द्वारा गणवेश नहीं दिलाने के मामले भी सामने आए थे। इसके बाद शासन स्तर से पिछले शैक्षणिक सत्र में बदलाव करते हुए प्रदेश में स्व-सहायता समूह द्वारा गणवेश वितरित की गई थी। इसके बाद इस प्रक्रिया में कमीशनखोरी और भ्रष्टचार के आरोप लगने लगे। बाद में फिर परिवर्तन कर सीधे खातों में ड्रेस के रुपए डालने की प्रक्रिया अपनाई गई।

शासन से मिले निर्देश...

राज्य शिक्षा केंद्र ने कलेक्टर को निर्देश जारी किए है। जिसमें कहा है कि छात्र-छात्राओं को प्रोफाइल में दर्ज विवरण का सत्यापन किया जाएगा। सत्यापन प्रक्रिया में छात्र/पालकों के खातों का आवश्यक रूप से सत्यापन किया जाए। जिससे ट्रांजेक्शन फैल न हो। शालावार छात्रों की सत्यापन सूची विकासखंड स्तर पर उपलब्ध होगी। जिसमें स्कूल वार व कक्षावार छात्रों का विवरण उपलब्ध होगा। विकासखंड के गणवेश प्रदाय हेतु छात्रवार, शालावार राशि स्वीकृत की जाएगी। विकासखंड स्त्रोत समन्वयक द्वारा गणवेश की राशि हेतु सत्यापित छात्रों की जानकारी राज्य स्तर पर ऑनलाइन उपलबध होगी। स्टेट एडमीन द्वारा ईपीओ जनरेट किया जाएगा। ईपीओ जनरेट कर भुगतान हेतु बैंक को भेजा जाएगा। बैंक द्वारा छात्रों के खातों में सीधे राशि प्रदाय की जाएगी।

स्व सहायता समूहो पर बनाया जाता था दबाव...

पूर्व में नाम के लिए स्व सहायता समूहो को काम दिया जाता था। लेकिन, असल काम इंदौर, उज्जैन, भोपाल में बैठे सप्लायर ही करते थे। स्थानीय अधिकारी स्व सहायता समूहो की महिलाओ पर दबाव बनाकर उनसे कपड़ा और फिर सिलाई कर लेने के मौखिक आदेश दे देते थे। इसमें बड़ी कमीशनखोरी होती थी। देखना यह होगा कि सीधे खाते में रूपए जाने के बाद भी सभी स्कूलो में कहीं प्रायवेट स्कूलो की तरह गांव-गांव में दुकाने फिक्स ना कर दी जाए।

आरटीओ में रजिस्ट्रेशन के लिए बढ़ी मुसीबत...

स्मार्ट चिप कंपनी ने बंद किया काम

भोपाल, 01 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में अब ड्रायविंग लाइसेंस बनवाने से लेकर वाहनों के रजिस्ट्रेशन कार्ड को लेकर मुसीबत बढ़ गई है। इसे तैयार करने वाली स्मार्ट चिप कंपनी की बढ़ी हुई अवधि 30 सितंबर भी खत्म हो गई। इस वजह से मंगलवार 01 अक्टूबर से कंपनी ने काम बंद कर दिया। अब परिवहन विभाग के पास फिलहाल ड्रायविंग लाइसेंस व वाहनों के रजिस्ट्रेशन कार्ड बनाने का कोई विकल्प नहीं है।

परिवहन विभाग ने पिछले दिनों स्मार्ट चिप कंपनी से अधिक संख्या में स्मार्ट कार्ड मंगवा लिए थे, जिससे कंपनी जब काम बंद कर दे तो कुछ दिन काम चल जाए। पिछले 22 साल से स्मार्ट चिप कंपनी प्रदेश में काम कर रही है। कंपनी से दिसंबर तक काम करने के लिए कहा गया था, लेकिन उसने मना कर दिया।

भुगतान को लेकर है विवाद...

परिवहन विभाग के अनुसार इस मामले में शासन स्तर पर चर्चा चल रही है। परिवहन विभाग और स्मार्ट चिप कंपनी के इस विवाद में आवेदक सबसे ज्यादा परेशान हो रहे हैं। वर्ष 2002 से नोएडा की स्मार्ट चिप कंपनी मध्य प्रदेश के परिवहन विभाग के लिए काम कर रही थी। कंपनी के भुगतान को लेकर विवाद है।

इससे पहले जून 2024 में कंपनी को तीन माह का एक्सटेंशन दिया गया था। इसी बीच सितंबर तक और काम करने की सहमति बनी। परिवहन विभाग ने इसी बीच यह भी दावा किया कि कंपनी के सेटअप व कर्मचारियों को परिवहन विभाग टेकओवर करेगा। इसको लेकर भी प्रयास किए जा रहे हैं।

2022 से दिया जा रहा था एक्सटेंशन...

स्मार्ट चिप कंपनी का कार्यकाल असल में 2022 में ही खत्म हो गया था, जिसे बार-बार एक्सटेंशन दिया जा रहा था। परिवहन विभाग ने डीएल-रजिस्ट्रेशन कार्ड के लिए टेंडर किए थे, जिसमें तीन कंपनियां आई, लेकिन अभी तक कुछ तय नहीं हो सका। ग्वालियर में पांच हजार कार्ड कुछ दिन पहले इसी आशंका में मंगवा लिए गए थे कि त्योहारी सीजन के कारण लोग परेशान होंगे, लेकिन यह स्थाई हल नहीं है। परिवहन अपर आयुक्त उमेश जोगा के अनुसार शासन स्तर पर विचार चल रहा है।

जिला योजना समिति में चूहा मार दवा लेकर पहुंचा दंपति

मंत्रियों से नहीं मिलने दिया, कमेटी बनाकर जांच शुरु की

मंदसौर, 01 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। घरेलू जमीन के एक मामले में अपने ही परिजनों से पीड़ित दंपति की प्रशासनिक सुनवाई न होने से वे उपमुख्यमंत्री जगदीश देवडा और जिले की प्रभारी मंत्री निर्मला भूरिया से मिलने जिला योजना समिति की बैठक में पहुंचे। लेकिन, राजस्व अमले ने उन्हें दोनों मंत्रियों से मिलवाने के बजाए एक कमरे में बंद कर दिया। इस मामले में मीडिया के दखल के बाद एडीएम ने आनन-फानन में अधिकारियों की एक टीम गठित कर मामले की जांच और कार्रवाई शुरू की। बता दे की प्रभारी मंत्री और उपमुख्यमंत्री जिला योजना समिति की बैठक ले रहे थे। तब तक इस दंपति की कोई सुनवाई नहीं हुई। जबकि, दम्पति अपनी जेब में चूहा मार दवाई लेकर पहुंचे थे।

दरअसल गरोठ के राधेश्याम और रामकन्या बाई अपने परिवार की आवास की भूमि के बंटवारे को लेकर काफी परेशान है। वे पिछले 4 महीने से न्याय ले लिए प्रशासनिक अधिकारियों के चक्कर काट रहे हैं। राधेश्याम के पिता को सरकारी पट्टे की जमीन पर आवास बनाने के लिए प्लाटआवंटित हुआ। लेकिन, उसके पिता ने उस जमीन पर पहले ही उसके भाई और स्वयं के नाम 3 लाख का कर्ज ले लिया। परेशान दंपती मंदसौर पहुंचे, हालांकि यहां कलेक्टर आदिती गर्ग ने उनकी सुनवाई कर उन्हें हाथों-हाथ एक आवेदन पत्र निराकरण के लिए तहसीलदार प्रियंका मिमरोट के नाम जारी किया। लेकिन, पिछले 4 महीने से ना तहसीलदार और ना ही एसडीएम उनकी सुनवाई कर रहे है। इसी बात की शिकायत

लेकर दंपति मंगलवार को फिर उपमुख्यमंत्री जगदीश देवडा और प्रभारी मंत्री निर्मला भूरिया से मिलने मंदसौर पहुंचे। लेकिन, राजस्व अमले ने यहां भी उन्हें नहीं मिलने दिया। उल्टे उनको समझा बूझाकर एक कमरे में बंद कर दिया। हालांकि इस मामले में राम कन्या और राधेश्याम की सुनवाई के लिए अब तीन अधिकारियों का एक दल गठित हो गया है और उनकी समस्या का निराकरण किया जा रहा है। मीडिया से बात करते समय अपनी जैब में रखा चूहे मारने वाला जहर निकालकर दिखाते हुए दम्पति बोले इस समस्या का एक मात्र समाधान यहीं है। हालांकि मामले में देखा जाए तो बेटा पिता की सम्पति में अपने हिस्से की लडाई है। लेकिन, पिता के जीवित होने की वजह से सम्पति पर कोई अधिकार नहीं होता है। अब पूरे मामले में एक जांच समिति का गठन किया है। जांच में पूरा मामला साफ़ हो जाएगा। इस सम्बन्ध में एडीएम श्रीमती एकता जायसवाल ने कहा की मामले में जांच समिति बना दी गई है। जल्द ही मामले का निराकरण कर दिया जायेगा।

अब स्कूल-कॉलेजों में खिलाएंगे सितौलिया

मप्र के उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा के खेलों में हुआ शामिल

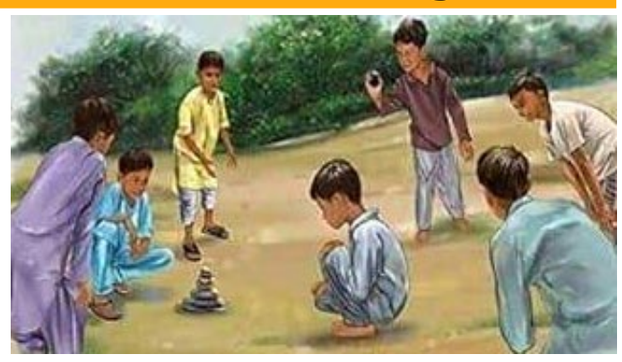

भोपाल/मंदसौर, 01 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के उच्च शिक्षा और तकनीकी शिक्षा विभाग ने पिट्ठू खेल को अब कॉलेजों के खेलों में भी शामिल करने के आदेश जारी किए हैं। इस खेल को प्रदेश में आम बोलचाल की भाषा में सितौलिया के नाम से जाना जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी पिट्ठू खेल को पुन: लोकप्रिय बनाने का उल्लेख मन की बात कार्यक्रम में कर चुके हैं। इसके बाद से ही केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार ने इसके संबंध में अमल शुरू किया था। अब इस खेल को लेकर दोनों ही सरकारी विभागों ने आदेश जारी कर दिए हैं।

मप्र उच्च शिक्षा विभाग के अवर सचिव वीरन सिंह भलावी ने आदेश जारी कर पिट्ठूखेल को कॉलेज के खेलों में भी शामिल करने का कहा है। यह इतिहास में पहली बार होगा। पिट्ठू फेडरेशन ऑफ इंडिया की तरफ से मांग की गई थी कि 12वीं तक राष्ट्रीय स्तर पर खेल चुके छात्र इसे कॉलेज में नहीं खेल पाते थे। ऐसे में छात्रों को इस प्राचीन व पारंपरिक खेल को मजबूरी में बीच में ही छोडना पड़ता था। मप्र स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 2022-23 में पहली बार पिट्ठू को स्कूली खेलों में शामिल किया था। पिट्ठू फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा तीन साल में सब जूनियर, जूनियर व सीनियर बालक व बालिका आयु वर्ग की छह चैंपियनशिप का आयोजन किया जा चुका है।

24 राज्यों के बच्चे ही खेल पा रहे थे...

फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि यह खेल वर्तमान में देश के 24 राज्यों के लाखों बच्चों द्वारा खेला जा रहा है। कॉलेजों में शामिल होने के बाद इसमें भाग लेने वाले छात्रों की संख्या बहुत बढ जाएगी। वहीं फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष हरिनारायण यादव ने बताया, उच्च शिक्षा विभाग ने 2024-25 के राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के कैलेंडर में इसे शामिल किया है। इसी के साथ राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने भी इस टीम खेल को अपने कैलेंडर में शामिल कर लिया है। पिट्ठू को केंद्र सरकार के एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के नेशनल यूनिवर्सिटीज गेम्स में भी शामिल कर लिया गया है।

इनका कहना...

यह एकमात्र ऐसा खेल है जिसका उल्लेख लगभग पांच हजार साल पूर्व लिखी गई भगवद्गीता में है। इसमें भगवान श्रीकृष्ण द्वारा यमुना नदी के किनारे बाल सखाओं के साथ पिट्ठू खेलने का वर्णन है। फेडरेशन का प्रयास है कि इस साल पिट्ठू को खेलो इंडिया और नेशनल गेम्स में भी शामिल कराया जाए।

गुलाब सिंह चौहान, प्रदेश सचिव, पिट्ठू फेडरेशन ऑफ इंडिया

युवक को पीटा, चार पर प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 01 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। युवक के साथ मारपीट के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों पर केस दर्ज कियसा। खजूरी चन्द्रावत निवासी अर्जुन पिता मानसिंह बंजारा ने नाहरगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि अतिक्रमण हटवाने की शिकायत करने का आरोप लगाकर गोरेलाल, उसके बेटे वकील व वजेसिंह व शांतिबाई बंजारा ने गाली-गलौज कर मारपीट की व लकडी से वार कर आंख, हाथ व होठ पर चोंट पहुंचाई। पुलिस ने चारों आरोपियों पर केस दर्ज किया।

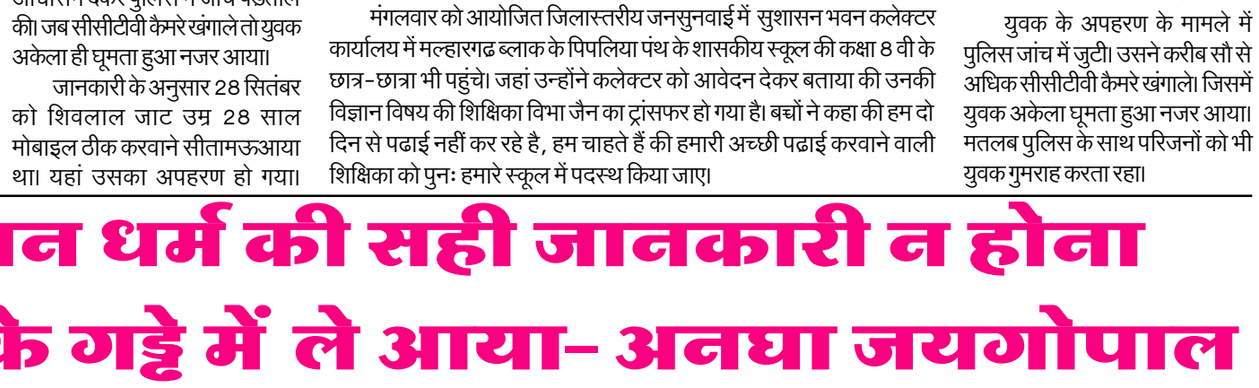

पुलिस पर आरोप लगाकर सोमवार रात किया था चक्काजाम

अपहरण की कहानी झूठी, सीसीटीवी में सामने आया सच

मंदसौर, 01 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। सीतामऊ पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाकर सोमवार देर रात लोगों ने चक्काजाम किया। सोमवार रात काचरिया जाट के ग्रामीणों ने थाने के सामने मंदसौर-सुवासरा रोड पर चक्काजाम कर दिया था। आरोप था कि काचरिया जाट के एक युवक का कुछ लोगों ने अपहरण कर उसके साथ मारपीट की और इसके बाद रात में उसे मंडी रोड पर बदहवास हालत में छोड गए। आरोप लगाया था कि पुलिस ने मामले में लापरवाही बरती। इधर जांच का आश्वासन देकर पुलिस ने जांच पडताल की। जब सीसीटीवी कैमरे खंगाले तो युवक अकेला ही घूमता हुआ नजर आया।

जानकारी के अनुसार 28 सितंबर को शिवलाल जाट उम्र 28 साल मोबाइल ठीक करवाने सीतामऊआया था। यहां उसका अपहरण हो गया। सोमवार रात में कार सवार चार लोग युवक को मंडी के पास छोड गए। युवक के मुंह पर कपडा बंधा हुआ था और वह बदहवास हालात में था।युवक ने बताया की वह किसी तरह थाने पहुंचा जहां उसने पुलिस से मदद मांगी पर वहां से उसे भगा दिया। इसके बाद वह थाने के सामने गुरुकृपा होटल पर पहुंचा। जहां एक व्यक्ति के मोबाइल से उसने बुआ के लडके को फोन पर बताया कि मैं यहां हूं। इस सूचना पर ग्रामीण सीतामऊपहुंचे। युवक की हालत ठीक नहीं होने से उसे अस्पताल में भर्ती करवाया। इसके बाद नाराज ग्रामीणों ने सडक पर चक्काजाम लगा दिया। करीब एक घंटे के चक्काजाम में दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गई। मौके पर तहसीलदार मनोहरलाल वर्मा, थाना प्रभारी मोहन मालवीय ने ग्रामीणों को समझाया। इसके बाद टीआई ने दो दिन में मामले को ट्रेस करने का लिखित में आश्वासन दिया, तब हंगामा शांत हुआ और सडक पर आवागमन शुरू हो पाया।

सौ से अधिक सीसीटीवी कैमरे देखे...

युवक के अपहरण के मामले में पुलिस जांच में जुटी। उसने करीब सौ से अधिक सीसीटीवी कैमरे खंगाले। जिसमें युवक अकेला घूमता हुआ नजर आया। मतलब पुलिस के साथ परिजनों को भी युवक गुमराह करता रहा।

जनसुनवाई में पहुंचे 8वीं कक्षा के विद्यार्थी

कहा- विज्ञान विषय की शिक्षिका का ट्रांसफर होने से नहीं हो पा रही पढ़ाई

मंदसौर, 01 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। अतिशेष के नाम पर कई स्कूलो से अच्छे शिक्षको का स्थानांतरण अन्यत्र कर दिया गया है। इससे अनेक स्कूलो में विद्यार्थी नाराज है।

मंगलवार को आयोजित जिलास्तरीय जनसुनवाई में सुशासन भवन कलेक्टर कार्यालय में मल्हारगढ ब्लाक के पिपलिया पंथ के शासकीय स्कूल की कक्षा 8 वी के छात्र-छात्रा भी पहुंचे। जहां उन्होंने कलेक्टर को आवेदन देकर बताया की उनकी विज्ञान विषय की शिक्षिका विभा जैन का ट्रांसफर हो गया है। बच्चों ने कहा की हम दो दिन से पढाई नहीं कर रहे है, हम चाहते हैं की हमारी अच्छी पढाई करवाने वाली शिक्षिका को पुनः हमारे स्कूल में पदस्थ किया जाए।

सनातन धर्म की सही जानकारी न होना इस्लाम के गड्ढे में ले आया- अनघा जयगोपाल

दिल्ली, 01 अक्टूबर। कभी पहचान छिपाकर, कभी प्यार के जाल में फंसाकर, कभी शादी का झांसा देकर तो कभी किसी और बहाने से हिंदू लड़कियों का शोषण करने और फिर धर्म परिवर्तन कराने के कई मामले आए दिन सामने आते हैं। इस्लामिक कन्वर्जन की साजिशों की शिकार डॉ. अनघा जयगोपाल भी उन्हीं में से एक हैं। केरल के त्रिशूर की रहने वाली अनघा का सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने धर्मांतरण और फिर सनातन धर्म में वापस आने के अपने अनुभव को साझा किया है। अनघा ने अपना जीवन आर्ष विद्या समाजम के माध्यम से हिंदुओं को जागृत करने के लिए समर्पित कर दिया है।

वह ॐ नम: शिवाय बोलते हुए अपनी बात शुरू करती हैं और बताती हैं कि उनकी बड़ी बहन अनुषा और छोटी बहन अमृता भी आर्ष विद्या समाजम से जुड़ गई हैं। उन्होंने बताया, मैं उस दर्दनाक अनुभव को आप सबके साथ साझा कर रही हूं, जो हमारे परिवार ने चार साल पहले झेला था। मेरा जन्म ब्राह्मण परिवार में हुआ। बहुत छोटी उम्र से ही हम घर पर कई प्रकार के अनुष्ठान और दैनिक पूजा देखते हुए बड़े हुए। मुझे केवल कुछ अनुष्ठानों के अलावा इस बात का कोई अंदाजा नहीं था कि सनातन धर्म क्या है? भारत का इतिहास क्या है और समकालीन चुनौतियां क्या होती हैं? सही जानकारी न होने के कारण ये मुझे इस्लाम के गड्ढे में ले आया। मैं भी हर किसी की तरह अच्छी पढ़ाई करके, अच्छी नौकरी पाकर, अपने परिवार की देखभाल करना चाहती थी। मैं एक अच्छी फिजियोथेरेपिस्ट बनने का सपना लेकर कॉलेज गई थी। लेकिन, वहां मेरे लिए कुछ और ही इंतजार कर रहा था।

अनघा ने अपनी बात को जारी रखते हुए आगे कहा, वह एक ऐसा समय था जिसने मेरे जीवन की दिशा बदल दी। मैं अपने कॉलेज के दिनों में हॉस्टल में रहती थी, मेरे रूममेट्स में मुस्लिम अधिक थे। हमारी बातचीत में धर्म कॉमन टॉपिक बन गया। सबसे पहले उन्होंने मुझसे हिंदू धर्म के बारे में सवाल पूछना शुरू किया।

खुद को हिंदू कहने पर शर्म आती थी- इसके बाद उन्होंने 'केरल स्टोरी' फिल्म का जिक्र करते हुए कहा, आप सभी ने इस फिल्म को देखा होगा। मैंने भी फिल्म की मुख्य किरदार शालिनी उन्नयन के जैसे सवालों का सामना किया। मैं उनके किसी भी सवाल का जवाब नहीं दे पाई, क्योंकि मुझे अपने धर्म के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। उन दिनों मुझे खुद को हिंदू कहने पर भी शर्म आती थी। मैं ऐसी क्यों हो गई थी। इसके बारे में अपने परिवार को भी कोई सटीक जवाब नहीं दे पाई। मुझे अपने धर्म के बारे में बस यही जानकारी दी गई थी कि हम अपने पूर्वजों के बताए रास्ते पर ही चलते हैं, लेकिन मैं इस जवाब से संतुष्ट नहीं थी। मैंने इसका जवाब तलाशने की बहुत कोशिश की, परन्तु सफल नहीं हुई। उस समय जब मैं कन्फ्यूज स्टेज में थी। मेरे दोस्तों ने मुझसे इस्लाम के बारे में बात करना शुरू किया। उन्होंने बताया इस्लाम दुनिया का सबसे अच्छा मजहब है। अगर मैं उनसे इस्लाम के बारे में सवाल करती तो वो मुझे सभी जवाब देते थे। क्योंकि उन्होंने बचपन से ही मदरसा में इस्लाम की शिक्षा प्राप्त की थी, लेकिन मैं सनातन धर्म की बेसिक चीजों को भी नहीं जानती थी। इसलिए मुझे उनके विचारों से प्रभावित होने में समय नहीं लगा।

मंदिर, देवी देवताओं और हिंदुओं से नफरत होने लगी- उस वक्त अनघा अपनी पहचान खोने लगी थी। पहले वो मानती थीं कि सभी ईश्वर एक हैं। लेकिन, बाद में उसे लगा कि अल्लाह ही एकमात्र ईश्वर है। इस्लाम में उसको सबसे पहले सिखाया गया कि सभी गैर मुस्लिम काफिर हैं। उन्होंने बताया, पहले मैं बिंदी, कुमकुम, चंदन लगाती थी, लेकिन धीरे-धीरे मैं मुस्लिम महिला की तरह कपड़े पहनने लगी। गाना, नाचना सब कुछ मेरे लिए हराम हो गया। मुझे लगने लगा कि मंदिर जाना और मंत्रों का जाप करना व्याभिचार जितना ही गलत है। धीरे-धीरे हिंदू धर्म, देवी देवताओं, अनुष्ठान और हिंदुओं के प्रति मुझमें नफरत बढती गई।

भारत के खिलाफ नफरत को बढ़ावा देना मुख्य लक्ष्य- अनघा के अनुसार, इस्लाम वाले वाट्सएप ग्रुप में जिनकी वह मेंबर थी, उन सभी में भारत के खिलाफ नफरत को बढावा देने वाले मैसेज शेयर किए जा रहे थे। सभी मैसेज का टोन यही था कि भारत एक हिंदू राष्ट्र है और यहां विभिन्न तरीकों से इस्लाम का वर्चस्व होना चाहिए। सभी मुसलमानों को ..... **शेष पेज 4 पर**

विचार-मंथन

विलमिंगटन घोषणापत्र के महत्वपूर्ण परिणाम

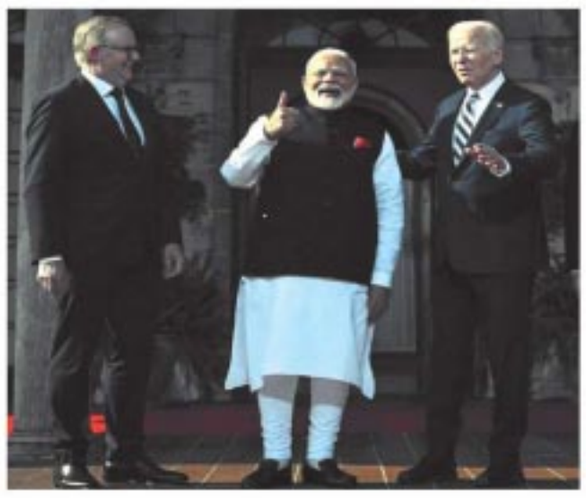

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बनीज और जापानी पीएम फूमियो किशिदा सभी 21 सितंबर, 2024 को, इंडो पैसिफिक के भीतर समस्याओं से निपटने के लिए क्वाडिलैटरल सिक्योरिटी डायलॉग (क्वाड) एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए एक साथ आए और विलमिंग्टन घोषणा को अपनाया, जिसमें स्वास्थ्य से लेकर बुनियादी ढांचे तक की परियोजनाओं पर सहयोग की घोषणा की गई. घोषणापत्र में नाम लिए बिना, अधिकांश कार्रवाइयां आक्रामक चीन को संतुलित करने के लिए की गई हैं, जिसके पास कोई उचित रणनीति नहीं है. क्वाड शिखर सम्मेलन के परिणामों में वैश्विक स्वास्थ्य और स्वास्थ्य सुरक्षा, बुनियादी ढांचा, इंडो-पैसिफिक लॉजिस्टिक्स नेटवर्क, महत्वपूर्ण और उभरती हुई तकनीक, तट रक्षक सहयोग, अंडरसी केबल और डिजिटल कनेक्टिविटी, इंडो-पैसिफिक में प्रशिक्षण के लिए समुद्री पहल आदि शामिल हैं. क्वाड देशों ने इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में कैंसर के बोझ को कम करने और महामारी कोष के लिए निरंतर समर्थन के लिए एक नई पहल क्वाड कैंसर मूनशॉट शुरू की. बंदरगाह बुनियादी ढांचे के विकास के लिए क्वाड की सामूहिक विशेषज्ञता का दोहन करने के लिए क्वाड पोर्ट्स ऑफ द फ्यूचर पार्टनरशिप शुरू की गई ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि, बंदरगाह इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में महामारी, प्राकृतिक आपदाओं और साइबर या आतंकवादी हमलों में जहाजों, कार्गो और अन्य ग्राहकों को उचित सेवा और बुनियादी ढांचा बनाए रख सकें. भागीदार राज्यों के बीच साझा एयरलिफ्ट क्षमता को आगे बढ़ाने और क्षेत्र में प्राकृतिक आपदाओं के लिए अधिक तेजी से और अधिक कुशल नागरिक प्रतिक्रियाओं को सक्षम करने के लिए उनकी सामूहिक रसद शक्तियों का लाभ उठाने के लिए क्वाड इंडो-पैसिफिक लॉजिस्टिक्स नेटवर्क परियोजना शुरू की गई. क्वाड ने इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के लोगों के लाभ के लिए ओपन रेडियो एक्सेस नेटवर्क , जील, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस , बायोटेक्नोलॉजी और सेमीकंडक्टर जैसी उभरती हुई तकनीकों का उपयोग करने और आर्थिक समृद्धि और कनेक्टिविटी में सहायता के लिए इन तकनीकों को तैनात करने की प्रतिबद्धता जताई. सैन्य रसद सहयोग बढ़ाने के एक हिस्से के रूप में, क्वाड राष्ट्रों ने 2025 में आयोजित होने वाले क्वाड-एट-सी शिप ऑब्जर्वर मिशन की घोषणा की, जिसमें समुद्री सुरक्षा और अंतर-संचालन में सहयोग बढ़ाने के लिए अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारतीय तटरक्षक कर्मियों को जोड़ा जाएगा. केबल कनेक्टिविटी और लचीलेपन के लिए क्वाड साझेदारी के माध्यम से, क्वाड भागीदारों ने इंडो-पैसिफिक में अंडरसी केबल नेटवर्क को समर्थन और मजबूत करना जारी रखने का फैसला किया, जो क्षेत्र और दुनिया की सुरक्षा और समृद्धि से जुड़े हैं. क्वाड नेताओं ने 'इंडो-पैसिफिक में प्रशिक्षण के लिए समुद्री पहल' की घोषणा की, ताकि क्षेत्रीय साझेदारों को इंडो-पैसिफिक मैरीटाइम डोमेन अवेयरनेस और अन्य क्वाड पहलों के उपकरणों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने में मदद मिल सके, ताकि सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा किया जा सके और नागरिक समुद्री सहयोग में सुधार किया जा सके, अपने जल की निगरानी और सुरक्षा की जा सके, अपने कानूनों को लागू किया जा सके और गैरकानूनी व्यवहार को रोका जा सके.

श्रीलंका में इस साल के संसदीय चुनावों का महत्व

श्रीलंका के नए राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के देश की संसद को भंग करने और 14 नवंबर को नए संसदीय चुनावों का आह्वान करने के साथ, सभी की निगाहें इस बात पर होंगी कि आने वाले समय में द्वीप राष्ट्र किस संवैधानिक मार्ग पर चलेगा. यह इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि नौवें कार्यकारी राष्ट्रपति के रूप में चुने गए दिसानायके ने श्रीलंका में कार्यकारी राष्ट्रपति सिस्टम को समाप्त करने और संसद की प्रधानता को बहाल करने का वादा किया है. नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) गठबंधन के राष्ट्रपति चुनाव घोषणापत्र के अनुसार, जिसके प्रतिनिधित्व से दिसानायके राष्ट्रपति बने हैं, कार्यकारी राष्ट्रपति पद को समाप्त कर दिया जाएगा और संसद बिना किसी कार्यकारी शक्तियों के देश के राष्ट्रपति की नियुक्ति करेगी. एनपीपी के घोषणापत्र में यह भी कहा गया है कि एक नया संविधान तैयार किया जाएगा और इसे आवश्यक परिवर्तनों के साथ, अगर कोई हो तो सार्वजनिक चर्चा करके जनमत संग्रह के माध्यम से पारित किया जाएगा. बता दें कि सीलोन (श्रीलंका का पुराना नाम) ने 1948 में ब्रिटिश साम्राज्य से स्वतंत्रता प्राप्त की थी. सोलबरी संविधान के तहत, जिसमें 1947 का सीलोन स्वतंत्रता अधिनियम और 1947 में सीलोन (संविधान और स्वतंत्रता) आदेश शामिल थे. सीलोन एक संवैधानिक राजतंत्र बन गया, जिसमें सरकार का वेस्टमिंस्टर संसदीय स्वरूप था. सीलोन के राजा (ब्रिटिश सम्राट) राज्य के प्रमुख के रूप में कार्य करते थे, जिसका प्रतिनिधित्व गवर्नर-जनरल द्वारा किया जाता था, जबकि प्रधानमंत्री सरकार के प्रमुख के रूप में कार्य करते थे. गवर्नर-जनरल ने ब्रिटिश सीलोन के गवर्नर के पद की जगह ली, जिन्होंने पहले 1815 से पूरे द्वीप पर कार्यकारी नियंत्रण का प्रयोग किया था. 1972 में एक नया गणतंत्रात्मक संविधान अपनाया गया, जिसने देश का नाम सीलोन से बदलकर श्रीलंका करने के अलावा, द्वीप राष्ट्र को संसदीय गणराज्य घोषित किया, जिसमें राष्ट्रपति राज्य का प्रमुख होता है. राष्ट्रपति काफी हद तक औपचारिक व्यक्ति था. वास्तविक शक्ति प्रधानमंत्री के पास ही रही. विलियम गोपालवा, जो सीलोन के अंतिम गवर्नर-जनरल के रूप में कार्यरत थे, श्रीलंका के पहले राष्ट्रपति बने. 1978 में संविधान के दूसरे संशोधन ने वेस्टमिंस्टर सिस्टम को सेमी- प्रेजिडेंट सिस्टम से बदल दिया और राष्ट्रपति पद फ्रांसीसी मॉडल पर आधारित एक कार्यकारी पद बन गया और अब यह राज्य का प्रमुख और सरकार का प्रमुख दोनों था, जिसका कार्यकाल लंबा था और यह संसद से स्वतंत्र था. राष्ट्रपति सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ, मंत्रियों के मंत्रिमंडल के प्रमुख थे, और उनके पास संसद को भंग करने और बुलाने की शक्ति थी. प्रधानमंत्री राष्ट्रपति के सहायक और उप-प्रधान और राष्ट्रपति के उत्तराधिकारी दोनों के रूप में काम करता था. कार्यकारी राष्ट्रपति पद की शुरुआत 1978 में यूनाइटेड नेशनल पार्टी के अध्यक्ष जेआर जयवर्धने के नेतृत्व में की गई थी. इसका उद्देश्य कार्यकारी नेतृत्व में निरंतरता सुनिश्चित करके देश के शासन को स्थिर करना था, विशेष रूप से संकट के समय में और 1970 के दशक की आर्थिक और राजनीतिक चुनौतियों का समाधान करने के लिए अधिक केंद्रीकृत निर्णय लेने की प्रक्रिया को बढ़ावा देना था. जयवर्धने का मानना था कि यह सिस्टम तेजी से निर्णय लेने की अनुमति देगी, जिससे संसदीय प्रणालियों से जुड़े विधायी गतिरोध और गुटबाजी से बचा जा सकेगा. यह विशेष रूप से प्रासंगिक था, क्योंकि श्रीलंका को आर्थिक कठिनाइयों और सिंहली और तमिल अल्पसंख्यकों के बीच जातीय संघर्ष के शुरुआती संकेतों का सामना करना पड़ा था. रणसिंघे प्रेमदासा, डिंगिरी बांदा विजेतुंगा, चंद्रिका कुमारतुंगा, महिंदा राजपक्षे, मैत्रीपाला सिरिसेना, गोटाबाया राजपक्षे, रानिल विक्रमसिंघे और अब दिसानायके ने जयवर्धने के बाद कार्यकारी राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार संभाला है. श्रीलंका में पिछला संसदीय चुनाव 2020 में हुआ था. 2024 के संसदीय चुनावों के लिए नामांकन 4 से 11 अक्टूबर तक स्वीकार किए जाएंगे. चुनाव के बाद, नव निर्वाचित संसद 21 नवंबर को बुलाई जाने की उम्मीद है. श्रीलंका की संसद एक सदनीय विधायिका है, और इसमें 225 सदस्य होते हैं. इनमें से 196 सदस्य आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली का उपयोग करके बहु-सदस्यीय निर्वाचन क्षेत्रों से लोगों द्वारा सीधे चुने जाते हैं. शेष 29 सीटें चुनाव में राजनीतिक दलों के समग्र प्रदर्शन के आधार पर एक राष्ट्रीय सूची के माध्यम से आवंटित की जाती हैं. आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली यह सुनिश्चित करती है कि छोटे दलों सहित विभिन्न राजनीतिक दलों की संसद में आवाज़ हो. यह प्रणाली सिंहली, तमिल और मुसलमानों सहित श्रीलंका की बहु-जातीय, बहु-धार्मिक आबादी का विविध प्रतिनिधित्व करने की अनुमति देती है. संसद आमतौर पर पांच साल के कार्यकाल के लिए चुनी जाती है. हालांकि, अभी तक, श्रीलंका के राष्ट्रपति के पास संसद को भंग करने और नए चुनाव कराने की शक्ति है, बशर्ते कि पिछले चुनाव को कम से कम साढ़े चार साल बीत चुके हों.18 साल या उससे अधिक आयु के सभी श्रीलंकाई नागरिक मतदान करने के पात्र हैं. मतदाताओं को अपना वोट डालने के लिए उस निर्वाचन क्षेत्र में पंजीकृत होना चाहिए जहां वे रहते हैं. राष्ट्रपति का पद संभालने के बाद, दिसानायके ने अपनी जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) पार्टी के सदस्य हरिनी अमरसूर्या को प्रधानमंत्री नियुक्त किया है, जो एनपीपी गठबंधन का हिस्सा है. दिसानायके के पूर्ववर्ती रानिल विक्रमसिंघे ने पहले ही घोषणा कर दी है कि वह अब चुनाव नहीं लड़ेंगे और इसके बजाय, अपनी पार्टी, यूनाइटेड नेशनल पार्टी (यूएनपी) को मजबूत करने के लिए अपना समय समर्पित करेंगे. विक्रमसिंघे इससे पहले 1993 से 1994 तक, 2001 से 2004 तक, 2015 से 2019 तक और 2022 में प्रधानमंत्री रह चुके हैं. इस बीच, राष्ट्रपति चुनाव में दिसानायके के निकटतम प्रतिद्वंद्वी, समागी जन बालावेगया (एसजेबी) के सजित प्रेमदासा ने घोषणा की है कि वह संसदीय चुनावों में अपनी पार्टी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार होंगे. प्रेमदासा निवर्तमान संसद में विपक्ष के नेता थे. वह राष्ट्रपति चुनाव में दिसानायके से दस लाख से अधिक मतों के अंतर से हार गए थे. श्रीलंका की राजनीति में दूसरी बड़ी पार्टी श्रीलंका पोडुजना पेरामुना ने अभी तक ऐसी कोई योजना घोषित नहीं की है. एसएलपीपी नेता महिंदा राजपक्षे, जो श्रीलंका के छठे राष्ट्रपति थे, ने 2004 से 2005 तक, 2018 में और 2019 से 2022 तक देश के प्रधानमंत्री के रूप में भी काम किया था. अब, अगर एनपीपी गठबंधन संसदीय चुनावों में बहुमत हासिल करता है, तो अमरसूर्या प्रधानमंत्री बने रहेंगे. एनपीपी गठबंधन के लिए एक नया संविधान तैयार करने और कार्यकारी राष्ट्रपति पद को खत्म करने का रास्ता भी साफ हो जाएगा. हालांकि, अगर कोई अन्य पार्टी बहुमत हासिल करती है, तो यह देखना दिलचस्प होगा कि कार्यकारी राष्ट्रपति पद का क्या हश्र होता है।

बच्चों की यौन शोषण सामग्री सोशल मीडिया पर क्यों परोसी जा रही?

पूरन चंद सरीन

माननीय उच्चतम न्यायालय ने पिछले दिनों एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर अपना निर्णय सुनाया है। बच्चों की यौन शोषण सामग्री सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों से दिखाकर कुछ लोगों के लिए पैसा कमाने का साधन है। असल में आज भद्दी और अश्लीलता से भरी कोई भी चीज दिखाने से मालामाल हुआ जा सकता है। इससे चिंता तो होती है लेकिन क्या इसे कानूनन रोकना संभव है या कहें कि कितना उचित है? असली मुद्दा यह है कि बच्चों के साथ गलत काम करते हुए, उनके कोमल अंगों के साथ खिलवाड़ और उन्हें एक ऑब्जैक्ट यानी वस्तु की तरह इस्तेमाल कर उनके शोषण की फिल्म बनाने पर रोक लगनी चाहिए या नहीं और क्या यह संभव है? आज इंटरनैट पर दुनिया भर से सभी तरह के वीडियो देखने को मिल जाएंगे। सामान्य उपभोक्ता के फोन या मेल पर इस तरह की अनचाही सामग्री की भरमार रहती है। कौन भेज रहा है, इसका स्रोत तक पता नहीं चल पाता। यह हजारों, लाखों लोगों को एक साथ भेजी जाती है। जिसे यह मिली है, वह यह सोचकर कि शायद उसके काम का कोई संदेश तो नहीं है परंतु जैसे ही खोलता है तो अश्लीलता से भरा वीडियो दिखाई देता है। आम तौर पर भेजने वाले का संदेश यह होता है कि यह उपभोक्ता के लिए बहुत ही उपयोगी है और साथ में बहुत से लालच भी दिए जाते हैं। एक तरह से काम या बिजनैस में मदद के नाम पर कुछ टिप्स देने की बात कही जाती है। प्रश्न यह है कि जिसने उत्सुकतावश या मुनाफा कमाने के नजरिए से भेजे गए संदेश पढ़ने के बाद वह लिंक खोला और देख लिया तो वह अपराधी कैसे हो गया? यदि उसने देख लिया और फिर उसे डिलीट यानी हटा दिया क्योंकि इस तरह की चीजों को देखने में कोई रुचि नहीं है तो उसकी यह जिम्मेदारी कैसे हो गई कि वह इसकी रिपोर्ट पुलिस थाने में करे? वह अपना काम-धंधा, नौकरी या व्यवसाय छोड़कर थाने में हाजिरी दे या ऑनलाइन शिकायत करने में अपना समय लगाए। यदि वह ऐसा नहीं करता है या कर पाता है तो उस पर जुर्माना या उसे जेल की सजा क्यों मिलनी चाहिए? जो लोग बाल यौन शोषण की सामग्री तैयार करते हैं, उन पर सख्त कार्रवाई करने के लिए पहले से ही हमारे यहां कानून हैं। पॉक्सो एक्ट की अगर धाराओं को पढ़ें तो देश में बच्चों के साथ किसी भी तरह का अपराध या उनका शोषण बिल्कुल बंद हो जाना चाहिए था। चाइल्ड पोर्नोग्राफी एक्ट तो बहुत ही कड़ा है। इन दोनों कानूनों के हिसाब से तो बच्चों के साथ कुकर्म करने का तो छोड़िए, कोई उनकी तरफ आंख उठाकर भी नहीं देख सकता। कानून की मानो तो उसकी आंखें ही निकाल ली जाएं। यह एक वास्तविकता है कि हमारे यहां कानून तो एक से एक बढ़िया बन जाते हैं लेकिन उनकी व्यावहारिकता की जांच-परख और इन्हें लागू करने की मंशा अक्सर नहीं होती। सरकार हो या समाज अथवा हमारी न्याय व्यवस्था ही क्यों न हो, गंभीरता से सोचा नहीं जाता, आवश्यक प्रबंध नहीं होते, योग्य व्यक्तियों की नियुक्ति नहीं होती और फैसलों पर अमल नहीं होते। ऐसी एक नहीं अनेक मिसालें हैं कि जिस बाल्यावस्था में किसी का शोषण हुआ, वह युवावस्था पार कर अधेड़ बन चुके हैं। ऐसे भी किस्से हैं कि बचपन की छेड़छाड़ के मामले की सुनवाई और फैसला तब हुआ हो जब दोनों बूढ़े हो चुके हों। इंटरनैट, सोशल मीडिया और आई.टी. सैक्टर द्वारा सब कुछ आनन-फानन में हर चीज उपलब्ध हो जाने और गूगल महाराज द्वारा ज्ञान की भारी बरसात तो अब हो रही है। जहां तक इस बात का प्रश्न है कि बच्चों द्वारा कोई अपराध किए जाने या उन्हें कोई अपराधी अपने साथ शामिल कर ले तब कानून क्या कहता है। ऐसे बाल अपराधियों के लिए सुधार गृह स्थापित किए जाने की व्यवस्था है। यह एक सच्चाई है कि ये सभी संस्थान जेल की परिकल्पना पर ही आधारित हैं। कुछ राज्यों में ऐसे प्रयोग हुए हैं कि बाल अपराधियों को मुक्त वातावरण में रखकर उनकी कानून में नियत अवधि को पूरा किया जाए। ये प्रयोग व्यापकता और संसाधनों के अभाव तथा प्रशिक्षित प्रशिक्षणकर्त्ताओं के न होने से सफल नहीं कहे जा सकते। हमारा जो सिस्टम है वह बाल यौन शोषण के अपराधी को पकड़ कर सजा तो दिलाता है।

चीन को कैसे काबू में करेगा क्वाड

कुछ दिनों पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका में क्वाड लीडर्स के सम्मेलन में कहा, 'यह संस्था बनी रहेगी। सदस्य देश एक दूसरे से सहयोग करेंगे, आपसी साझेदारी भी होगी और तालमेल भी बना रहेगा।' मोदी ने बहुत कम शब्दों में इसके जरिये कई हलकों को संदेश दे दिया। इनमें वे भी शामिल थे, जो हमेशा क्वाड की आलोचना करते रहते हैं। और वे भी, जो इस मंच की प्रासंगिकता पर प्रश्न खड़े करते रहते हैं। भारत की भूमिका- आज दुनिया के जो हालात हैं, उन्हें देखते हुए यह बात बहुत मायने रखती है। आज कई वैश्विक मंचों की अहमियत नहीं रह गई है। ऐसे में अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया की सदस्यता वाले क्वाड जैसे नए मंच को लेकर उनकी प्रतिबद्धता का साफ मतलब है। मतलब यह कि दुनिया में पिछले कुछ वर्षों में नाटकीय बदलाव आया है। साथ ही, इस बदलती दुनिया में भारत की भूमिका भी तेजी से बदल रही है। आपसी सहयोग- इसी को ध्यान में रखते हुए क्वाड की गतिविधियां भी बढ़ रही हैं। बेशक, इसकी रफ्तार धीमी रही है, लेकिन 2017 में इसके वजूद में आने के बाद से इस मंच ने कई क्षेत्रों में तरक्की की है। हालिया सम्मेलन में क्वाड कैंसर मूनशॉट इनीशटिव का एलान हुआ। इसके तहत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सरवाकिल कैंसर से लड़ने की पहल होगी। हिंद-प्रशांत में एनर्जी एफिशिएंसी बढ़ाने के लिए इस मंच के तहत सामूहिक पहल की जाएगी। इसके लिए हाई एफिशिएंसी और किफायती कूलिंग सिस्टम तैयार किए जाएंगे और उन्हें लगाया जाएगा। क्वाड एसटीईएम फेलोशिप के मार्फत चार साल की अवधि वाला इंजिनियरिंग प्रोग्राम भी शुरू किया जाएगा, जिसके लिए टेक्निकल इंस्टिट्यूट का खर्चा भारत सरकार उठाएगी। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में डिजिटल पब्लिक इन्फ्रा को डिवेलप और लागू करने के लिए बुनियादी सिद्धांतों पर भी सहमति बनी। सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन क्षेत्र में कर्टिजेंसी नेटवर्क सहित अन्य क्षेत्रों में सहयोग को भी सदस्य देशों ने अंतिम रूप दे दिया है। पार्टनर्स की मदद- लेकिन बड़ी बात यह है कि समुद्री सुरक्षा को लेकर क्वाड अब सक्रिय होता दिख रहा है। इसने हिंद-प्रशांत के लिए नई पहल शुरू की है। इसके तहत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सदस्य देश रीजनल पार्टनर्स के लिए ट्रेनिंग शुरू करेंगे, जिसे (एमएआईटीआरआई) नाम दिया गया है। इससे आईपीएमडीए और क्वाड की दूसरी पहल के जरिये जो टूल्स दिए गए हैं, उससे उन्हें समुद्री सीमा की निगरानी और सुरक्षा में मदद मिलेगी। वे वहां अपने कानून लागू कर सकेंगे और गैर-कानूनी गतिविधियों पर रोक लगाने में सक्षम होंगे। एयरलिफ्ट कैपेसिटी- क्वाड सम्मेलन में हिंद-प्रशांत लॉजिस्टिक्स नेटवर्क पायलट प्रॉजेक्ट का भी एलान किया गया। इसके तहत चारों देश मिलकर एयरलिफ्ट कैपेसिटी बनाएंगे और लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में एक दूसरे की क्षमता का इस्तेमाल कर सकेंगे। किसी कुदरती आपदा की सूरत में इससे राहत और बचाव कार्य में मदद मिलेगी। पहली बार 2025 में क्वाड के तहत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में ऑब्जर्वर मिशन भी शुरू किया जाएगा। इससे सदस्य देशों के कोस्टगार्ड्स के बीच आपसी तालमेल बढ़ेगा। पोर्ट इन्फ्रा- हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अंडरसी केबल नेटवर्क्स की क्षमता बढ़ाने और मजबूत करने के सिलसिले में भी चारों देशों के बीच सहयोगी जारी है। इसके साथ इस बार के सम्मेलन में हिंद-प्रशांत में टिकाऊ और मजबूत बंदरगाह इन्फ्रास्ट्रक्चर डिवेलपमेंट के लिए सदस्य देशों के अपने-अपने तजुर्बे का इस्तेमाल करने पर सहमति बनी। इसके लिए क्वाड पोर्टस आफ द फ्यूचर पार्टनरशिप प्रोग्राम शुरू किया गया। आलोचकों का रुख- क्वाड की आलोचना भी होती रही है।

एडीएम ने जनसुनवाई में 92 लोगों की सुनी समस्याएं

नीमच, 01 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। इन्दिरा नगर नीमच के कम्यूनिटी भू-खण्ड पर जनसुविधाओं को ध्यान में रखते हुए, वहां सामुदायिक हॉल का निर्माण करवाए। हाउसिंग बोर्ड इस भूखण्ड को विक्रय करने की बजाय सामुदायिक भवन, हॉल निर्माण करने पर विचार करे। यह निर्देश अपर कलेक्टर श्रीमती लक्ष्मी गामड ने सोमवार को कलेक्टोरेट नीमच में इंदिरा नगर की पार्षद श्रीमती सुमीत्रा मुकेश पोरवाल एवं रहवासियों के आवेदन पर हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में एस.डी.एम. डॉ. ममता खेडे, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती प्रीती संघवी, जिला पंचायत सी.ई.ओ. श्री अरविंद डामोर व अन्य. जिला अधिकारी उपस्थित थे। जनसुनवाई में अपर कलेक्टंर श्रीमती गामड ने 92 आवेदकों की समस्याएं सुनकर उनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित जिला अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में डिकेन की हीना पंवार, इन्दिरा नगर की ललिताबाई, बागपिपलिया की नसीम, जमुनियाखुर्द के गणपतलाल, कनावटी की कैलाशीबाई, डीकेन के बगदीराम, कानका की पुष्पाबाई, इन्दिरा नगर की ललिता जैन, झालरी के मुकेश, नीमच के सलीम खां, सरवानिया मसानी के भैरूलाल, बघाना के पूनमचंद, चीताखेडा के चौथमल, मोहनलाल, बांगरेड के अजीतसिंह, रतनगढ की कमलाबाई, हुडको कॉलोनी नीमच की मोनिका, हरवार के पप्पुलाल आदि ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन जनसुनवाई में प्रस्तुत किए।

प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में रोगी कल्याण समिति की बैठक संपन्न

मंदसौर, 01 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। महिला बाल विकास विभाग एवं जिले की प्रभारी मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय सभागार में रोगी कल्याण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से सिविल सर्जन द्वारा जिला अस्पताल एवं उसकी व्यवस्था के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बैठक के दौरान प्रभारी मंत्री द्वारा निर्देश दिए गए की रोगी कल्याण समिति के अंतर्गत ऑडिट एवं अन्य कार्य पारदर्शी तरीके से किए जाए। इसके साथ ही हर तीन माह में समिति की बैठक आयोजित हो।

आभा आईडी कार्ड अधिक से अधिक लोगों के बने इसके लिए जन जागरूकता अभियान चलाएं तथा अस्पताल में अलग से काउंटर भी लगाए । जिससे अधिक से अधिक लोग आभा आईडी कार्ड बनाएं। रेडियो लॉजिस्ट के लिए रेड क्रॉस तथा रोगी कल्याण समिति मिलकर कोई उचित समाधान निकाले। जिससे सोनोग्राफी कार्य जिला अस्पताल में शुरू हो सके। मेडिकल कॉलेज एवं जिला अस्पताल का समन्वय तरीके से कार्य करें। ठेकेदारों से जो राशि वसूल की जानी है, उसको शीघ्र वसूल करें। आगामी कार्यों के लिए ठेकेदारों से राशि जमा करने के पश्चात उनको वर्क ऑर्डर जारी करें।

एनसीसी कैडेटस एवं स्कूली विद्यार्थियों द्वारा स्वच्छता अभियान रैली निकाली

मंदसौर, 01 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। सेंट थॉमस विद्यालय के ट्रूप नंबर 157 के एनसीसी कैडेटस एवं हिंदुस्तान स्काउट गाइड और स्कूली विद्यार्थियों द्वारा आज विद्यालय परिसर से स्वच्छता रैली निकल गई इस रैली में 200 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया रैली को विद्यालय प्राचार्य सिस्टर अभया, विद्यालय मैनेजर फादर जॉनसन द्वारा हरी झंडी देकर रैली को रवाना किया। 2 अक्टूबर, 2014 को स्वच्छ भारत मिशन देश भर में व्यापक तौर पर राष्ट्रीय आंदोलन के रूप में शुरू किया गया था। यह रैली विद्यालय परिसर से होते हुए मैं पुरिया पशुपतिनाथ गेट पहुंची जहां नवीन एनसीसी बटालियन परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया जहां पर पूरा करकट साफ कर मैदान को स्वच्छ बनाने का प्रयास छात्र सैनिकों ने किया और पूरे रास्ते स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत के नारे लगाते हुए छात्र सैनिकों ने आम जनता को स्वच्छता हेतु जागरूक करने का प्रयास किया । इस रैली के दौरान एनसीसी ट्रूप कमांडर जितेंद्र कनौजिया, स्काउट अधिकारी ललित परमार, खेल प्रशिक्षक कुलदीप सिंह चौहान, त्रिभुवन कविश्वर, रवि कोपरगांवकर, सुश्री जया सिसोदिया, शिक्षक राजेंद्र सिंह, रैली में साथ उपस्थित रहे।

अंकित सोनी बने नवयुवक मंडल के अध्यक्ष

मंदसौर, 01 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। श्री मेड क्षत्रिय स्वर्णकार समाज शहर पंचायत की नवयुवक मंडल की नवीन कार्यकारिणी नियुक्त की गई जिसमें अध्यक्ष अंकित सोनी सफाईबंद(पत्रकार) उपाध्यक्ष प्रकाश सोनी अडानिया सचिव अंकित सोनी नेताजी एवं कोषाध्यक्ष नीलेश सोनी नीलम मसाला को नियुक्त किया गया। इस अवसर पर श्री मेड क्षत्रिय स्वर्णकार समाज के अध्यक्ष अर्जुन डाबर उपाध्यक्ष नागेश्वर सोनी सचिव भूपेंद्र सोनी कोषाध्यक्ष गोपाल सोनी एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्य मौजूद रहे इस अवसर पर अध्यक्ष अर्जुन डाबर सचिव भूपेंद्र सोनी कार्यकारिणी सदस्य अजय चौधरी हितेश सोनी राजा सोनी विनोद सोनी नि नए पदाधिकारी को पुष्पमाला बनाकर स्वागत किया गया।

टीम इंडिया को बारिश भी नहीं रोक सकी, कानपुर टेस्ट में बांग्लादेश को 2-0 से रौंदा

कानपुर, 1 अक्टूबर। भारत ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज में बांग्लादेश को 2-0 से क्लीन स्वीप किया है। दूसरा मैच कानपुर में खेला गया। बारिश के चलते दो दिन खेल नहीं हुआ। इसके बाद भी भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को 7 विकेट से हरा दिया। एक समय लग रहा था कि बारिश के चलते मैच ड्रॉ हो जाएगा, लेकिन इंडियन टीम ने ऐसा होने नहीं दिया। बारिश के कारण दूसरे और तीसरे दिन खेल नहीं हुआ। चौथे और पांचवें दिन भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर जीत हासिल कर लिया।

पहली पारी में बांग्लादेश ने बनाए 233 रन–भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीता था। उन्होंने पहले फिल्डिंग का फैसला किया। बांग्लादेश ने पहली पारी में 233 रन बनाए। मोमिनुल हक 107 रन बनाकर नॉट आउट रहे, लेकिन उन्हें दूसरे बल्लेबाजों का साथ नहीं मिला। जसप्रित बुमरा ने 3, मोहम्मद सिराज ने 2, रविचंद्रन अश्विन ने 2, आकाश दीप ने 2 और रवींद्र जडेजा ने एक विकेट लिए। दूसरे और तीसरे दिन बारिश के चलते खेल नहीं हुआ। टीम इंडिया को चौथे दिन पहली पारी में बल्लेबाजी का मौका मिला। समय कम था इसलिए भारतीय बल्लेबाजों ने ताबडतोड रन बनाए। यशस्वी जायसवाल ने 51 बॉल पर 72 रन, रोहित शर्मा ने 11 बॉल पर 23 रन, शुभमन गिल ने 36 बॉल पर 39, ऋषभ पंत ने 11 बॉल पर 9, विराट कोहली ने 35 बॉल पर 47 और केएल राहुल ने 43 बॉल पर 68 रन बनाए। पहली पारी में भारत ने सिर्फ 34।4 ओवर खेले और 8।22 के रन रेट से 285 रन बनाकर पारी घोषित कर दी।

दूसरी पारी में बांग्लादेश ने बनाए 146 रन–दूसरी पारी में बांग्लादेश के बल्लेबाज सिर्फ 146 रन बना सके। शादमान इस्लाम ने 50 और मुश्फिकुर रहीम ने 37 रन बनाए। जसप्रित बुमरा ने 3, रविचंद्रन अश्विन ने 3, रवींद्र जडेजा ने 3 और आकाश दीप ने 1 विकेट लिए। भारत को जीत के लिए 95 रनों की जरूरत थी। भारतीय बल्लेबाजों ने 17।2 ओवर में 5।65 के रन रेट से 98 रन बनाकर मैच जीत लिया। दूसरी पारी में यशस्वी जायसवाल ने 51 और विराट कोहली ने 29 रन बनाए।

मंदसौर को संभाग बनाओ अभियान का श्री गणेश आज से

गांधी चौराहा पर शुरू होगा पोस्टकार्ड अभियान, उप मुख्यमंत्री और प्रभारी मंत्री ने भी किया समर्थन

मंदसौर, 01 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। संभाग बनाओ अभियान के चरण बद्ध आंदोलन के तहत मंदसौर नागरिक मंच आप और हम द्वारा 2 अक्टूबर मंगलवार को महात्मा गांधी की जयंती के दिन प्रात: 9.00 बजे गांधी चौराहा से मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नाम पोस्टकार्ड अभियान शुरू कर आंदोलन का श्रीगणेश किया जाएगा। जिसमें मंदसौर के नागरिक मुख्यमंत्री से मंदसौर जिले को संभाग बनाने की मांग करेंगे।

उल्लेखनीय है कि मंदसौर नागरिक मंच के बैनर तले नगर के गणमान्य जनों के शिष्टमंडल ने मंगलवार को प्रदेश के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा से उनके मंदसौर निवास पर मुलाकात कर मंदसौर को संभाग बनाने की मांग के अभियान से अवगत कराया। ओर उन्हें पोस्टकार्ड भेंट किए। श्री देवड़ा ने कहा कि वे भी क्षेत्र के नागरिकों की मांग का समर्थन करते हैं और मुख्यमंत्री को यहां के नागरिकों की भावना से अवगत कराएंगे। इसी प्रकार जिले की प्रभारी मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया से भी उनके मंदसौर प्रवास के दौरान सर्किट हाउस पर मिल कर पोस्टकार्ड भेंट किए और नागरिकों की मांग को समर्थन देने का अनुरोध किया। उन्होंने आश्वस्त किया कि वे नागरिकों की मांग मुख्यमंत्री जी तक अवश्य पहुंचाएगी। उप मुख्यमंत्री और प्रभारी मंत्री से मुलाकात करने वाले शिष्टमंडल में सर्व श्री जगदीश चन्द्र चौधरी, नंदू भाई आडवाणी, नरेंद्र अग्रवाल, ब्रजेश जोशी, डॉ.भानु प्रताप सिंह सिसोदिया, बिल्लू भाई अग्रवाल, प्रदीप भाटी, राजेश पाठक, नरेंद्र कुमार त्रिवेदी, मुकेश काला, चंद्रशेखर निगम, प्रहलाद डगवार, राकी यादव, संतोष गोयल, डॉ आशीष अग्रवाल, पंकज सेठिया आदि सम्मिलित थे। पूर्व में सांसद सुधीर गुप्ता और राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर से भी मिल कर इस अभियान की जानकारी दी गई है। उसी के अनुरूप 2 अक्टूबर को पोस्टकार्ड अभियान शुरू किया जाएगा मंदसौर नागरिक मंच आप और हम कौर ग्रुप के सदस्य सर्वश्री गुरुचरण बग्गा, अभय डोसी, नरेन्द्र अग्रवाल, ब्रजेश जोशी, हिम्मत डांगी, अर्जुन डाबर, रमेशचंद्र चंद्रे, उमेश पारिख, शरद धीग, रत्नेश कुदार, पुष्पेंद्र भावसार, कन्हैया लाल सोनगरा, संजय तरवेचा ने नगर वासियों से आव्हान किया है कि पोस्टकार्ड अभियान में भाग लेवें और प्रदेश के मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के नाम पोस्टकार्ड लिखकर मंदसौर को संभाग बनाने मांग करे और इस अभियान का समर्थन करें। पोस्टकार्ड अभियान 2 अक्टूबर गांधी जयंती पर प्रात: 9 बजे गांधी चौराहे पर आरंभ किया जाएगा। यह जानकारी संभाग बनाओ अभियान के कार्यालय प्रभारी प्रदीप भाटी ने दी है।

स्वच्छता ही सेवा जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

मंदसौर, 01 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। केन्द्रीय संचार ब्यूरो सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार, क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा आज शासकीय प्राथमिक विद्यालय, बोहराखेडी में स्वभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता पर जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से नन्हे-नन्हे बच्चों के बीच स्वच्छता प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। प्रधानाध्यक अनिल कुमार ने बच्चों को स्वच्छता बनाये रखने में उनकी सहभागिता के लिए उन्हे प्रेरित किया। कार्यक्रम में अध्यापिका मंजूदेवी, ममता नीमा एवं सुनीता सांखला ने भी बारी-बारी से अपने विचारों से बच्चों को स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के बारें में बताया। सीबीसी के प्रभारी देवेन्द्र कुमार द्वारा भी स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं पोषण पर बच्चों को विस्तार से जानकारी प्रदान कर स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने की बात कही गई। प्रश्नोत्तरी के विजेता चिराग, दिव्या एवं प्रियल को पुरूस्कृत कर सम्मानित किया गया। अन्त में सभी ने स्वच्छता बनाये रखने का संकल्प लिया।

श्री अग्रसेनजी जयंती महोत्सव के अंतर्गत विविध कार्यक्रमों का हो रहा आयोजन

मंदसौर, 01 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। अग्रवाल समाज देशी पंचायत मंदसौर के द्वारा महाराजा अग्रसेनजी की 5148 वी जयंती के उपलक्ष्य में नरसिंहपुरा स्थित महाराजा अग्रसेन मांगलिक भवन में पांच दिवसीय महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। 29 सितम्बर से 3 अक्टूबर तक यहां विविध सांस्कृतिक रंगमंचीय गतिविधियों का आयोजन अग्रवाल समाज की युवतियों, महिलाओं व युवाओं के द्वारा किया जा रहा है। कल इसी तारतम्य में बच्चों व महिलाओं दो रंगमंचीय सांस्कृतिक गतिविधियां की गई। रात्रि 8 बजे से देर रात्रि तक आयोजित इस सांस्कृतिक गतिविधि में बडी संख्या में महिलाओं व बच्चों ने पूरे उत्साह से भागीदारी की। कक्षा नर्सरी से कक्षा 6 तक के बच्चों व उनकी माताओं के लिये चंदा है तू मेरा सूरज है तू (माम किड डांस) का आयोजन हुआ। इस प्रतियोगिता का संयोजक भारती दिलीप अग्रवाल व ज्योति आशीष गुप्ता के द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता में एक नन्हीं सी बालिका ने गुड टच एवं बेड टच की थीम पर मनमोहक प्रस्तुति दी। जिसे सभी ने सराहा। इसके बाद ताल पर थिरकते कदम प्रतियोगिता हुई इस प्रतियोगिता में कक्षा 7 से 18 वर्ष तक के बच्चों ने सहभागिता की। इसके अंतर्गत देशभक्ति गीतों एवं युगल गीत संगीत की बालिकाओं ने सहभागिता की।

विभिन्न प्रतियोगियों को पुरस्कार प्रदान किये गये– पांच दिवसीय श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्टप्रदर्शन करने वाले बच्चों एवं महिलाओं को कल महोत्सव के द्वितीय दिवस पुरस्कार प्रदान किये गये। पुरस्कार वितरण कार्यक्रम एवं द्वितीय दिवस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी सुनील मित्तल गार्लिक, श्री ब्रज अग्रवाल कबाडी, श्री विकास अग्रवाल, श्री सनत कागला, श्री कैलाश अग्रवाल एसबीआई, श्रीमती नीलम परमानंद अग्रवाल, श्रीमती गीतादेवी सत्यनारायण कबाडी, श्रीमती निर्मला महावीर मित्तल आरटीओ वाले, श्रीमती संतोश सुरेश मित्तल जनकूपुरा, श्रीमती नीलू दिनेश अग्रवाल, श्री ब्रजमोहन अग्रवाल, श्रीमती सुनीता गर्ग, श्री ब्रजमोहन अग्रवाल, समाजसेवी अशोक मित्तल टॉकीज, आदिश गर्ग मंचासीन थे। इन सभी के द्वारा श्री अग्रसेन श्री महाराज की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित किया गया।

कॉलेज के प्रबंध विभाग एवं एनएसएस इकाई द्वारा गांधी महोत्सव सम्पन्न

मंदसौर, 01 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। पीएम एक्सीलेंस राजीव गांधी गवर्नमेंट पी.जी. कॉलेज मंदसौर के प्रबंध विभाग एवं एनएसएस इकाई द्वारा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के निर्देशानुसार स्वच्छता ही सेवा है अभियान के अंतर्गत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 155वीं जयंती पर उनको श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए स्वच्छता अभियान एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर स्थानीय जनभागीदारी प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्री नरेश जी चंदवानी एवं महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. डी.सी. गुप्ता द्वारा विद्यार्थियों को स्वस्थ एवं स्वच्छ वातावरण बनाने हेतु शपथ दिलाते हुए कहा नियमित श्रम, कड़ी मेहनत और स्वस्थ मन के साथ ही आप स्वच्छ वातावरण का निर्माण कर सकते हैं। प्रबंध विभागाध्यक्ष प्रो. योगेश पटेल ने विद्यार्थियों को अहिंसा और सत्याग्रह के प्रति गांधी जी की प्रतिबद्धता के बारे में बताया। प्रबंध विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. रजत जैन ने विद्यार्थियों से कहा आप राष्ट्रपिता गांधी जी के सिद्धांतों - सत्य, अहिंसा, सादा जीवन, स्वच्छता और आत्मविश्वास को अपने जीवन में आत्मसात कर जीवनयापन करें, जिससे मन को स्वस्थ एवं वातावरण को स्वच्छ रखा जा सके। प्रो. शालू नलवाया ने बताया गांधीजी ने अपनी शिक्षा का उपयोग सहयोग, अहिंसा और सहानुभूति जैसे नैतिक और आध्यात्मिक गुणों को स्थापित करने के लिए करा। प्रो. साक्षी विजयवर्गीय ने गांधी महोत्सव के महत्व को बढ़ाते हुए प्रबंध विभाग में विद्यार्थियों के लिए स्वच्छता अभियान एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन सुनियोजित रूप से किया जिसमें परिणाम महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. अनिल आर्य, प्रो. खुशबू मंडावरा, प्रो के. के. टुटेजा, प्रो. प्रकाश दास ने अतिथि के रूप में उपस्थित होकर दिया। प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने उत्कृष्टप्रस्तुति देकर प्रथम स्थान दृष्टि व्यास एवं आंचल धनोतिया, द्वितीय स्थान गौरी धाकड एवं वीरेंद्र सिंह, तृतीय स्थान हिमांशी भावसार, दीक्षा शर्मा एवं ऐश्वर्या पाटीदार ने प्राप्त किया।

फसल नुकसानी के मामले को लेकर जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों की उदासीनता समझ के परे–गुर्जर

मंदसौर, 01 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जिला पंचायत सदस्य और जिला योजना समिति सदस्य दीपक सिंह गुर्जर ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि सुशासन भवन में हुई जिला योजना समिति की बैठक में जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती निर्मला भूरिया, उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा व अन्य जनप्रतिनिधियों के समक्ष जब वर्तमान में अतिवर्षा से हुई सोयाबीन फसल नुकसानी के विषय को रखा गया तो जिम्मेदारों ने सिवाय लीपापोती के उस पर कोई चर्चा करना उचित नहीं समझा। जिला पंचायत सदस्य दीपक सिंह गुर्जर ने बताया कि जब उन्होंने इस विषय को लेकर सदन में बात रखी और प्रभारी मंत्री और जिला कलेक्टर से मांग करी की अति वर्षा से किसानों की सोयाबीन व अन्य फसल 90% खराब हो चुकी है, अधिकारियों को खेतो में भेजकर नुकसानी का आकलन किया जाना चाहिए, वैसे ही लागत मूल्य से भी कम दाम मिलने से किसान पहले ही दुखी है उसपर अतिवर्षा ने किसानों के घावों पर नमक छिड़कने का काम किया है और लगभग सभी जनप्रतिनिधि ग्रामीण क्षेत्र से आते हैं उन्हें बिना किसी राजनीतिक वैचारिकता के इस पर आवाज उठाते हुए किसानों की इस तकलीफ पर बात करनी चाहिए और ऐसे पीड़ित किसानों को क्षतिपूर्ति के रूप में कोई राशि तय की जानी चाहिए साथ ही फसल बीमा को लेकर जिम्मेदार को निर्देशित किया जाने का अनुरोध किया परंतु सिवाय लीपापोती के कोई सटीक उत्तर नहीं दिया गया। इस मुद्दे को लेकर गुर्जर ने कहा कि आने वाले समय में यदि किसानों की अतिवर्षा से नष्ट हुई सोयाबीन की क्षतिपूर्ति वाले मामले को अनदेखा किया गया तो आंदोलन के रूप में से गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाईन शिकायतों को स्वयं देखकर, निराकरण करवाएं–चंद्रा

नीमच, 01 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। सभी विभागों के जिला अधिकारी अपने विभाग से संबंधित सभी सीएम हेल्पलाईन शिकायतों, को एक-एक कर, स्वयं देख लें। उनमें निराकरण, प्रतिवेदन दर्ज कर, शिकायतों को संतुष्टि के साथ बंद करवाए। यदि किसी शिकायत पर कोई कार्यवाही शेष नहीं है, तो उसे फोर्स क्लोज करवाएं। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जिला अधिकारियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में सीएम हेल्पलाईन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की समीक्षा करते हुए दिए। बैठक में एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड, जिला पंचायत सीईओ श्री अरविंद डामोर, सभी एसडीएम, डिप्टी कलेक्टोर एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने जननी सुरक्षा योजना में लंबित भुगतान से संबंधित सीएम हेल्पलाईन की समीक्षा के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए, कि अनमोल पोर्टल पर दर्ज हितग्राहियों की जानकारी एवं लंबित भुगतान का कारण, एक्सल शीट में तैयार कर, प्रस्तु त करें और हर एक शिकायत का निराकरण करें। अनमोल पोर्टल पर हितग्राहियों की जानकारी में जिला स्तर से संशोधन संभावना हो, तो शासन को एक्सल शीट भेजकर, भुगतान सुनिश्चित करवाएं। जिससे, कि सीएम हेल्पलाईन शिकायतों का निराकरण हो सके। उन्होने श्रम अधिकारी को निर्देश दिए, कि नॉन इपीओ से संबंधित एक भी शिकायत लंबित ना रहे। सभी शिकायतों का निराकरण करवाएं और जिन शिकायतों में जिला स्तर से कोई कार्यवाही शेष नहीं हो, उन्हें फोर्स क्लोज करने की कार्यवाही करें। कलेक्टर ने खाद्य अधिकारी को नवीन राशन दुकान आवंटन के प्रकरणों का तत्काल निराकरण कर, दुकानों का आवंटन करने के निर्देश भी दिए।

सेवानिवृत्त कर्मचारी राष्ट्र के उत्थान के लिये कार्य करें–श्रीमती गुर्जर

मंदसौर, 01 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। नगरपालिका परिषद मंदसौर में कार्यरत सभी कर्मचारीगण मंदसौर नगर के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे है। नपा के कर्मचारी व जनप्रतिनिधि दोनों मिलकर नगर के विकास की चिंता करते है तो उसके परिणाम निश्चित रूप से सुखद होते है। नपा के कर्मचारियों का सेवा में आना और उसकी सेवानिवृत्ति जीवन के ऐसे पल है जो कर्मचारी के जीवन में सबसे महत्वपूर्ण होते है। सेवानिवृत्त कर्मचारी अपनी सेवा अवधि समाप्त होने के बाद अपना जीवन सार्वजनिक कार्य में लगाये।

उक्त विचार नपा अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने नपा कार्यालय में सहायक ग्रेड 3 सत्यनारायण भाट व भृत्य अनिल शर्मा की सेवानिवृत्ति पर कहे। आपने नपा सभागृह में आयोजित सेवानिवृत्ति कार्यक्रम में कहा कि मंदसौर नगर में जो आज विकास दिखाई दे रहा है। उसमें जनप्रतिनिधियों की सोच एवं नपा के कर्मचारियों का परिश्रम दोनों शामिल है। सेवानिवृत्ति के बाद कर्मचारियों को अपने परिवार के साथ समय देने के साथ ही समाज व राष्ट्र के लिये भी समय देना चाहिये। कार्यक्रम में मुख्य नगरपालिका अधिकारी सुधीर कुमार सिंह, कार्यपालन यंत्री पीएस धारवे, दोनों सेवानिवृत्त कर्मचारी भी मंचासीन थे। दोनों सेवानिवृत्त कर्मचारियों का मंदसौर नपा कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों, सदस्यों ने माला पहनाकर व साफा पहनाकर स्वागत किया। संचालन चन्द्रशेखर नागदा ने किया। आभार धर्मेन्द्र सोनगरा ने माना। कार्यक्रम में नारायणगढ सीएमओ प्रमोद जैन, पिपलियामंडी उपयंत्री राजेश उपाध्याय सहित नपा के कर्मचारीगण भी उपस्थित थे। सभी कर्मचारियों ने स्वागत भी किया।

101 तस्वीरों का वितरण होगा

मंदसौर, 01 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। धर्मसेवी सावन सांखला ने बताया कि 3 अक्टूबर 2024, गुरूवार को प्रात: 11 बजे सांखला मार्केट शुक्ला चौक में धर्मसेवी बद्रीभाई सांखला एवं अन्य पितृ जनों की स्मृति में सांखला परिवार के द्वारा जिला गरबा मंडल के तत्वावधान में माँ अम्बे की 101 तस्वीरों का वितरण होगा। सभी गरबा मंडल इसका धर्मलाभ ले।

नवरात्रि पर्व पर कल माता की 51 तस्वीरों का होगा नि:शुल्क वितरण

मंदसौर, 01 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जिला धार्मिक उत्सव समिति द्वारा नवरात्रि पर्व संपूर्ण जिले में पूरे उत्साह के साथ मनाया जाएगा। इस अवसन पर समिति द्वारा दानदाताओं के सहयोग से गरबा मंडलों को गरबा पांडाल में स्थापित करने के लिए माताजी की तस्वीर निशुल्क वितरित की जाएगी।

समिति के विनोद मेहता व विनय दुबेला ने बताया कि 3 अक्टूबर को सुबह 11 बजे विश्वपति शिवालय गांधी चौराहा पर पूज्य संतो के सानिध्य में सार्वजनिक समारोह आयोजित होगा व जिन गरबा मंडलों को तस्वीर प्राप्त करना है। वे सभी मंडल समिति से सम्पर्क कर पंजीयन करवाए। समिति के अध्यक्ष सुभाष गुप्ता, संयोजक वर्दीचंद कुमावत द्वारा सभी गरबा मंडलों से अपील की है कि माताजी की तस्वीर गरबा पांडाल में स्थापित करने हेतु प्राप्त करना है तो कृपया निम्न संपर्क नंबर पर अपना पंजीयन करावाए और गरबा समिति के साथ विश्वपति शिवालय गांधी चौराहा पर उपस्थित होकर माताजी की तस्वीर प्राप्त करें। तस्वीर पंजीयन के लिए सुभाष गुप्ता 9826359896, वर्दीचंद कुमावत 9893675622, वीरेंद्र भट्ट 9926183802 से संपर्क करे। धार्मिक कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील अनिता दीदी, महंत रामकिशोरदास महाराज, अनिल कियावत, पंडित दशरथ भाईजी, पंडित विष्णु शर्मा, पंडित दिलीप व्यास, ब्रजेश जोशी, शैलेन्द्रसिंह राठौर, वर्दीचंद कुमावत, विनोद मेहता, शोंकी शंकर ककनानी, मिलिंद ज़िल्हेवार, राजाराम तंवर, सुभाष गुप्ता, आरके पोरवाल, राजेंद्र चाष्ठा, राजू कुमावत, अशोक पालीवाल, ललित माछीवार, महेश वैष्णव, नरेश परमार, विजय परमार, अजय भाटी, बंटी लोड, बाबूलाल लोहार, कमलेश नागदा, गोविंद नागदा, गोपालसिंह राजावत, राजेश चौहान, हरीश सालवी, रवि ग्वाला, गोविंद सुरा, हेमंत सुरा, राजेश पाठक, प्रवीण व्यास, भीम सेन डाबी, पंकज जोशी, मोहन लुहार, राजेश अडानीया, हरिराव जाधव, नंदकिशोर राठौर, संतोष जैन, निरंजन भारद्वाज, राजेंद्र कल्याणी, ओमप्रकाश सोनी, प्रदीप सोनी, घनश्याम सोनी, रमेशचंद डिडवानिया, दृष्टनंद नेनवानी, कन्हैयालाल सोनगरा, रुपनारायण मोदी, सूरजमल गर्ग, मांगीलाल शर्मा, घनश्याम बटवाल, राकेश भाटी, विनोद जाट, नरेन्द्र त्रिवेदी, राजेश चाहुजा, मुकेश आर्य, मुकेश शर्मा, देवेंद्र राव, सुरेश भावसार, राजेंद्र पोरवाल, प्रदीप गुप्ता, जितेंद्र व्यास, अनिल सुरा, शत्रुंजय सोनी, महेश सोलंकी, अनूप माहेश्वरी, गायत्रीप्रसाद शर्मा, अजय सोनी, नटवर पारीख, नवीन भावसार, जम्बू नलवाया, दिलीप जैन, वैभव राठौर, घनश्यामसिंह तोमर आदि ने की। उक्त जानकारी बंशीलाल टाक व भगवनदास मेघनानी ने दी है।

सदस्यता अभियान की शुरुआत की

मनासा, 01 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ नीमच जिला इकाई में जिलाध्यक्ष प्रदीप जैन के नेतृत्व में नीमच जिला मुख्यालय पर 1 अक्टूबर को सदस्यता अभियान की प्रभावी शुरुआत की गई। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष राकेश सोन जिला महासचिव चेनसिंह सोलंकी जिला कोषाध्यक्ष एम डी मंसूरी जिला पदाधिकारी कोशल व्यास अशोक व्यास राकेश पुरोहित कोमल दास बैरागी डाक्टर बबलू चोधरी प्रभुलाल सिहार नीमच तहसील अध्यक्ष मुकेश सिंहल मनासा तहसील अध्यक्ष हेमंत शर्मा सिंगोली तहसील अध्यक्ष सुरेश साहु सहित अनेक वरिष्ठ सदस्य साथी उपस्थित थे

शरबत मोहब्बत वाला कार्यक्रम का आयोजन आज

मनासा, 01 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। क्षेत्र में गांधी विचार को लेकर कार्यरत संस्था 'गांधी 150' गांधी विचार मंच, मनासा द्वारा 2अक्टूबर गांधी जयंती एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती पर सद्भावना से प्रेरित आयोजन किया जाएगा। उक्त जानकारी देते हुए गांधी विचार मंच के कार्यक्रम संयोजक महेश नंदवाना ने बताया कि इस दौरान नगर के दलित पिछड़े वर्गों के समूह के बीच जाकर गांधी विचार व सर्वोदय पर विमर्श किया जा कर 'शर्बत मोहब्बत वाला ' कार्यक्रम का आयोजन होगा। साथ ही बच्चों को स्वल्पाहार वितरण व सर्वधर्म प्रार्थना सभा के आयोजन के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। इस अवसर पर क्षेत्र के प्रमुख सोशल एक्टिविस्ट, समाजसेवी, विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे।

बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट की कड़ी टिप्पणी, कहा...

मंदिर हो या मस्जिद, बीच सड़क से हटाना ही होगा

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बुलडोजर एक्शन पर एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा कि जनता की सुरक्षा सर्वोपरि है और सड़कों पर किसी भी धार्मिक ढांचे को हटाया जाना चाहिए। अदालत ने यह स्पष्ट किया कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है और यह आदेश सभी धर्मों के लोगों पर लागू होगा।

जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा, हमारे निर्देश सभी के लिए होंगे। फिर चाहे वह किसी भी धर्म या समुदाय का हो। मंदिर या दरगाह या गुरुद्वारा, अगर सड़क के बीच कोई धार्मिक ढांचा है तो यह जनता के लिए बाधा नहीं बन सकती। अदालत ने कहा कि अनधिकृत निर्माणों के खिलाफ एक कानून होना चाहिए और यह धर्म पर निर्भर नहीं होना चाहिए। पीठ ने कहा कि चाहे वह मंदिर हो या दरगाह हो, सड़क, जलमार्ग या रेल ट्रेक को अवरोध कर रहे किसी भी धार्मिक ढांचे को हटाया जाना जरूरी है। गौरतलब है कि 17 सितंबर को पीठ ने कहा था कि उसकी अनुमति के बगैर एक अक्टूबर तक आरोपियों समेत अन्य लोगों की संपत्तियों को नहीं गिराया जाएगा। पीठ ने कहा था कि अगर अवैध रूप से ध्वस्तीकरण का एक भी मामला है तो यह हमारे संविधान के मूल्यों के खिलाफ है। न्यायालय ने स्पष्ट किया था कि उसका आदेश सड़कों, फुटपाथ, रेलवे लाइन या जलाशयों जैसे सार्वजनिक स्थानों पर बने अनधिकृत ढांचों पर लागू होगा और साथ ही उन मामलों पर भी लागू होगा जिनमें अदालत ने ध्वस्तीकरण का आदेश दिया है।

सर्व हिंदू समाज ने रैली निकाल कर ज्ञापन सौंपा

मनासा, 01 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। देश में हिंदुओ की आस्था के साथ बार बार खिलवाड होने, देश में सनातन बोर्ड का गठन करने, विश्व प्रसिद्ध देव स्थान तिरुपति के प्रसाद में अशुद्ध पदार्थों का उपयोग कर धर्म नष्ट करने वालो के खिलाफ कार्यवाही की मांग को लेकर सर्व हिंदू समाज ने रामस्नेही विद्वान संत श्री चेतनराम महाराज के नेतृत्व में कल मंगलवार को विशाल रैली निकाल कर एसडीएम कार्यालय पहुंच कर एसडीएम किरण आंजना को ज्ञापन सौपा। ज्ञापन देते हुवे राम स्नेही संत चेतनराम रामजी ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुवे कहा की हिंदू संस्कृति का प्राचीन व हमारी आस्था के केंद्र तिरुपति बालाजी में प्रसाद में अपविष्ट पदार्थ मिला कर हमारी आस्था के साथ खिलवाड किया गया हे। हिंदू धर्म की आस्था के साथ खिलवाड अब सहन नही किया जाएगा ।हम मांग करते हे की सनातन बोर्ड का जल्द से जल्द गठन किया जाए। राम स्नेही संत चेतनराम जी महाराज के मार्ग दर्शन में सर्व हिंदू समाज द्वारा बद्री विशाल मंदिर से सनातन समाज की विशाल रैली निकली जिसमे बडी संख्या में समाजजन सहित बडी संख्या में महिलाएं भी सनातन बोर्ड का गठन करो के नारे लगा रही थी। रैली बडे मंदिर से गांधी चौक, सदर बाजार, विजय स्तम्भ, सब्जी मंडी, हास्पिटल रोड, बस स्टेंड होती हुई तहसील कार्यालय पहुंची जहा सर्व हिंदू समाज, व्यापारिक संस्थाओं, सामाजिक संस्थाओ के पदाधिकारी सहित सेकडो लोगो की महती उपस्थिति में अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन दिया गया।

श्रद्धा व कृतज्ञता का पर्व है श्राद्ध...

मंदसौर, 01 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। श्राद्ध पक्ष भारतीय जीवनशेली में अपने पूर्वजो का स्मरण करने उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने एवम उनकी आत्मा को सदगति मिले इस भावना के साथ किया जाने वाला संकल्पो का पर्व है। इसमे लोग अपने पितरो के लिए श्राद्ध कर्म करते है। पूर्वजो के प्रति श्रद्धा निवेदन करने का यह पर्व है। इसके पीछे मान्यता है की जिन पूर्वजो के कारण हम आज अस्तित्व में है जिनके गुण व कोशल आदि हमे विरासत में मिले है उनका हम पर न चुकाए जा सकने वाला ऋण है। हिंदू धर्म की मान्यता में मनुष्य के उप्पर तीन प्रकार के ऋण होते है पितृ ऋण, देव ऋण और ऋषि ऋण। इन तीनो में प्रमुख पितृ ऋण का निवारण पितरो के निम्मित श्राद्ध कर्म करने से होता है। वैदिक काल से ही श्राद्ध कर्म करने की परंपरा चली आ रही है। पितृ पक्ष में सनातनी परंपरा को मानने वाले अपने पूर्वजो के प्रति पूरी तरह से श्रद्धान्वत दिखते है इसलिए इसे श्राद्ध पर्व कहते है। हमारी संस्कृति में ऐसी मान्यता है की पितृपक्ष में पितर अपने वंशजो के द्वारा किए गए पिंडदान और तर्पण से तृप्त होते है। पितरो को पितृपक्ष में अपने वंशजो से श्राद्ध पाकर तृप्ति मिलती है। लोगो को पितृपक्ष ऐसा अवसर उपलब्ध कराता है जब वे अपने पुरखो की आत्मा को प्रसन्नता से भर सके। उनकी आत्मा की तृप्ति और प्रसन्नता के लिए श्राद्ध कर्म से उनकी अगली पीढ़ी को विमुख नही होना चाहिए। वाल्मीकि रामायण में वनवास के दौरान भगवान श्रीराम ने भी अपने पिता की आत्मा की संतुष्टिके लिए पिंडदान किया था। वे मां सीता और भाई लक्ष्मण के साथ गया भी गए जंहा सभी ने मिलकर श्राद्ध कर्म किया। श्राद्ध कर्म को तीन पीढियों तक की मान्यता शास्त्रो में वर्णित है। माता - पिता जो जीवनभर बच्चो के जीवन को संवारने में कठोर परिश्रम करते है उनकी मृत्यु के पश्चात उन बच्चो का भी तो कुछ कर्तव्य बनता है। पितृपक्ष में शास्त्र सम्मत आचार विचार का व्यवहार कर के बच्चे अपने माता - पिता की आत्मा को प्रसन्न कर सकते है। पितृपक्ष में पिंडदान और जल तर्पण का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यता के अनुसार परिवार जनो के द्वारा इस प्रकार की प्रेम की आहुति पाकर पूर्वज कितने प्रसन्न व संतुष्टहोते होंगे इसको शब्दो में नही बताया जा सकता। जब मनुष्य जीवित होता है तब वो अपने आत्मकल्याण के लिए स्वयं प्रयास करता है किंतु जब वो शरीर छोड़ देता है तब उसकी आत्मा जिस अवस्था अथवा स्थिति में होती है वहा से उच्चलोक में उन्नति के लिए मोक्ष पाने के लिए शरीर के बिना वह केसे प्रयास कर सकता है इसलिए दिवंगत आत्मा की उन्नति का प्रावधान भी हमारी संस्कृति में श्राद्ध के माध्यम से किया गया है। धार्मिक व सांस्कृतिक परंपराओ से समाज एवम परिवार में एकनिष्ठ आती है। पितृपक्ष को मनाने से हमारी नई पीढ़ी में सांस्कृतिक सोच के साथ बुजुर्गो के सम्मान की भावना का जागरण होता है। श्राद्ध शब्द श्रद्धा से बना है। श्राद्ध से श्रद्धा जीवित रहती है। श्रद्धा को प्रकट करने का जो प्रदर्शन होता है वह श्राद्ध कहा जाता है। आत्मिक प्रगति के लिए सबसे महत्वपूर्ण तथ्य है श्रद्धा। श्रद्धा में शक्ति भी है। वह पत्थर को भगवान बना देती है और मनुष्य को नर से नारायण स्तर तक उठा ले जाती है। किंतु श्रद्धा मात्र चिंतन या कल्पना का नाम नही है उसके प्रत्यक्ष प्रमाण भी होना चाहिए। यह उदारता, सेवा, सहायता, करुणा और निस्वार्थ भाव से किए कार्य के द्वारा किसी भी रूप में हो सकती है। इन्हे केवल धार्मिक क्रियाकलापो व चिंतन तक सीमित न रखकर कार्यरूप में, परमार्थपरक कार्यों में हीं परिणित करना होता है यही सच्चे अर्थों में श्राद्ध है।

गौरव सोनी, मंदसौर

पत्र संपादक के नाम

संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	25	2630	2751
उडद	111	4691	7000
सोयाबीन	5000	4000	4800
गैहु	3065	2700	3180
चना	154	5500	7181
मसुर	163	5200	5975
धनिया	400	5151	7200
लहसुन	10100	12000	28000
मैथी	1370	4900	6290
अलसी	2460	5801	6300
सरसो	370	5771	6100
तारामीरा	1	5081	5081
इसबगोल	95	10000	13900
प्याज	3050	1800	4025
कलोंजी	7	8400	16700
डॉलर	35	7000	12201
तिल्ली	50	11000	13001
मटरसुखी	4	2851	5501
असालीया	54	10651	13470

गीर गाय ब्रीडिंग फार्म: गायों पर होने वाले खर्च से अधिक खर्च कर्मचारियों के वेतन

मंदसौर, 01 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में गीर नस्ल की गायों के संरक्षण और संवर्धन के उद्देश्य से 19 जनवरी 2023 को महामहिम राज्यपाल के करकमलों से गीर गाय ब्रीडिंग फार्म की स्थापना की गई थी। इस फार्म का मुख्य उद्देश्य गीर नस्ल की गायों का प्रजनन कर, उन्हें बेहतर नस्ल के रूप में विकसित करना और जिले के अन्य क्षेत्रों में इस नस्ल का विस्तार करना है। इस परियोजना की शुरुआत में 37 गायें लाई गई थीं, जिनमें 20 महीनों की अवधि में 20 फीमेल और 19 मेल बछड़े जन्मे।

परियोजना का उद्देश्य और उपलब्धियां– इस ब्रीडिंग फार्म का मुख्य उद्देश्य गीर नस्ल की मेल गायों का उत्पादन करना और फिर उनका उपयोग जिले की अन्य गायों के साथ क्रॉस-ब्रीडिंग के लिए करना है, ताकि जिले में गीर नस्ल के गायों की संख्या को बढ़ाया जा सके। पशु विभाग के उपसंचालक मनीष इंगोलो अनुसार, वर्तमान में 19 मेल तैयार किए जा रहे हैं, जो डेढ़ वर्ष की आयु के हैं और उन्हें पूरी तरह से परिपक्व होने में एक वर्ष का और समय लगेगा। इस अवधि के बाद ही इन मेल बछड़ों का उपयोग प्रजनन कार्य के लिए किया जाएगा।

उत्पादन और चुनौतियाँ– ब्रीडिंग फार्म में अभी 9 गीर गाय दूध दे रही हैं, जिनसे प्रतिदिन लगभग 30 लीटर दूध प्राप्त हो रहा है। गीर गायों को दूध उत्पादन के लिए श्रेष्ठमाना जाता है, इसलिए 30 लीटर का उत्पादन अपेक्षाकृत कम दिखाई देता है। यह प्रश्न महत्वपूर्ण है कि गीर गायों से अपेक्षाकृत कम दूध उत्पादन क्यों हो रहा है। इसका संभावित कारण गायों की सेहत, चारे की गुणवत्ता या पर्यावरणीय कारक हो सकते हैं, जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। इसके अलावा, गायों और बछड़ों के भोजन पर प्रतिदिन 2,200 रुपये खर्च किए जा रहे हैं, जिसमें 5 क्विंटल शुक्ला (सूखा चारा) और 1.5 क्विंटल हरा चारा शामिल है। इसके बावजूद, दूध उत्पादन कम रहना, फार्म के आर्थिक प्रबंधन के लिहाज से चिंता का विषय है।

नेमीचंद राठौर

आर्थिक पहलू– ब्रीडिंग फार्म में 6 कर्मचारी कार्यरत हैं, जिन्हें कुल 1 लाख 80 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन के रूप में दिए जा रहे हैं। इसके मुकाबले, गायों और बछड़ों पर प्रतिमाह 1 लाख 7 हजार 500 रुपये का खर्च हो रहा है। इस अंतर से यह स्पष्ट होता है कि गायों पर होने वाले खर्च से अधिक खर्च कर्मचारियों के वेतन पर किया जा रहा है। यह आर्थिक असंतुलन प्रोजेक्ट की दीर्घकालिक स्थिरता के लिए एक चुनौती प्रस्तुत करता है।

विचारणीय बिंदु–दूध उत्पादन में कमी: गीर गायों से अपेक्षित मात्रा में दूध न मिलना एक प्रमुख चिंता का विषय है। इसके लिए चारे की गुणवत्ता, गायों की देखभाल और स्वास्थ्य परीक्षण पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

आर्थिक असंतुलन– कर्मचारियों के वेतन पर होने वाला खर्च, गायों और बछड़ों के पालन पर होने वाले खर्च से अधिक है। इसे संतुलित करने के लिए संसाधनों का पुनः आवंटन और कर्मचारियों की संख्या का पुनर्मूल्यांकन आवश्यक है।

मेल बछड़ों की परिपक्वता– मेल बछड़ों की परिपक्वता में अभी एक वर्ष और लगेगा, जिससे ब्रीडिंग प्रक्रिया में देरी हो रही है। इस देरी के कारण फार्म के लक्ष्यों की पूर्ति में समय लग सकता है, जो इस परियोजना की सफलता के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती बन सकता है। मंदसौर का गीर गाय ब्रीडिंग फार्म एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य जिले में गीर नस्ल के विस्तार और उनके संरक्षण को बढ़ावा देना है। हालांकि, इस परियोजना को सफल बनाने के लिए दूध उत्पादन की समस्या, आर्थिक प्रबंधन और ब्रीडिंग प्रक्रिया में आ रही देरी जैसी चुनौतियों से निपटना आवश्यक है। अगर इन पहलुओं पर ध्यान दिया जाए, तो यह फार्म गीर नस्ल के संवर्धन और जिले में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने में एक मील का पत्थर साबित हो सकता है।

स्वास्थ्य व्यवस्थाओं के संबंध में जांच दल जांच करें और 7 दिन में रिपोर्ट प्रस्तुत करें-उप मुख्यमंत्री

सकारात्मक तरीके से जिले के विकास को निरंतर गति मिल रही है–प्रभारी मंत्री

प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में जिला योजना समिति की बैठक संपन्न

मंदसौर, 01 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। महिला बाल विकास विभाग एवं जिले की प्रभारी मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय सभागार में जिला योजना समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने जिले की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं के संबंध में जांच कर 7 दिवस में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

प्रभारी मंत्री ने निर्देश दिए की ग्राम हनुमंतिया में विगत समय में एक लाख से अधिक पौधे लगाए। लेकिन जिला योजना समिति के सदस्यों का कहना है कि पौधे लगाए लेकिन धरातल पर बहुत कम पौधे जीवित अवस्था में है। उसके लिए जांच दल बनाएं तथा जांच करें तथा रिपोर्ट प्रस्तुत करें। पौधे अधिक से अधिक जीवित रहे इस पर कार्य करना चाहिए। प्रकृति जिन पौधे से प्रेम करती है, उन पौधे को चयन करें। जिला अस्पताल में अधिक से अधिक पदों की भर्ती हो इसके लिए कार्य किया जाएगा। जहां कर्मचारी कम है, वहां पर समन्वय के साथ कार्य करें। बैठक के दौरान लोकसभा सांसद श्री सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार, मंदसौर विधायक श्री विपिन जैन, गरोठ विधायक श्री चंदर सिंह सिसोदिया, सुवासरा विधायक श्री हरदीप सिंह डंग, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, पूर्व विधायक श्री यशपाल सिंह सिसोदिया, योजना समिति के अशासकीय सदस्य श्री नानालाल अटोलिया, श्री मुकेश काला, योजना समिति के सदस्य सहित अन्य सभी जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारियों में कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग, पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनंद, सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन सहित अन्य सभी अधिक जिलाधिकारी मौजूद थे। प्रभारी मंत्री ने कहा कि जिले का विकास लगातार सकारात्मक तरीके से हो रहा है। सभी मिलकर अच्छा काम करें और आगे बढे। सभी समन्वय के साथ कार्य करें। जिससे जिला निरंतर प्रगति करेगा। मिलकर समस्त विकास के काम होंगे।

नकद खाद का वितरण सोसायटी स्तर पर हो इस पर भी कैबिनेट स्तर से उप मुख्यमंत्री के माध्यम से कार्य कराया जाएगा। सोयाबीन उपार्जन के लिए पंजीयन का कार्य लगातार चलने दे, फसल खराब क्रॉप कटिंग का कार्य पारदर्शी तरीके से लगातार चलने दे। जिन किसानों की फसल खराब हुई है उनको फसल बीमा का लाभ प्राप्त हो। इसके साथ ही बैठक के दौरान सखी निवास हॉस्टल जो कि मंदसौर में निर्मित होगा। इस हॉस्टल में कामकाजी महिलाएं रुक सकेगी। महिलाएं हॉस्टल में रह कर नए-नए काम सीखेगी। उसके लिए प्रस्ताव रखा गया। दो सड़कों का प्रस्ताव समिति में रखा गया। जिसमें पहला रोड रिंग पशुपतिनाथ मंदिर से नालछा माता होते हुए फोरलेन को कनेक्ट करेगा। दूसरा 21 किलोमीटर का मंदसौर रिंग रोड का प्रस्ताव समिति में रखा गया।

आवेदन करने की तिथि बढ़ी

मंदसौर, 01 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। माध्यमिक शिक्षा मंडल ने हाईस्कूल और हायरसेकेंडरी परीक्षाओं में आवेदन पत्र भरने की तिथि बढ़ाई है। पूर्व में आदेश के अनुार अंतिम तिथि 30 सितंबर थी। जिसे बढ़ाकर 7 अक्टूबर किया गया है।

दो बदमाशों से चोरी की पांच बाइक जप्त

मंदसौर, 01 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। सीतामऊ थाना पुलिस ने दो बदमाशो को हिरासत में लेकर उनके कब्जे व निशांदेही पर चोरी की पांच बाइक जप्त की है।

पुलिस ने बताया कि सूचना मिलने पर ग्राम लदूना में दबिश दी गई। यहां से भेरूलाल उर्फ नाना पिता मांगीलाल राठोर तथा पृथ्वीराज उर्फ पियुष पिता लालसिंह चारण को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों ने पूछताछ में बाइक चोरी की वारदातें कबूली। इनसे पांच चोरी की बाइक जब्त की गई है।

जिला योजना समिति की बैठक में भारती पाटीदार ने रखें कई महत्वपूर्ण मुद्दे, प्रभारी मंत्री ने दिया जल्द निराकरण का आश्वासन

मंदसौर, 01 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। 1 अक्टूम्बर मंगलवार को जिला योजना समिति की बैठक में जिला योजना समिति सदस्य और पार्षद भारती पाटीदार ने कई मुख्य मुद्दों को समिति अध्यक्ष प्रभारी मंत्री के समक्ष रखा और एक आवेदन देकर सभी विषय पर गंभीरता से विचार करने का आग्रह किया इस पर प्रभारी मंत्री ने सभी विषयों पर जल्द निराकरण करने की बात कही।

श्रीमती पाटीदार ने प्रभारी मंत्री को नगर की स्वच्छता व्यवस्था को लेकर सुझाव दियें वहीं जिन आंगनवाडियों के भवन जिन वार्डों में स्वींकृत है उनके निर्माण अभी तक नहीं हुए हैं उन्हें प्रारंभ करने की मांग की। आपने बताया कि आयुष्मन क्लिनिक बनाए गए हैं, लेकिन अभी तक वहां पर ना तो किसी डॉक्टर की नियुक्ति हुई है और ना ही आयुष्मान क्लिनिक के नाम से कोई बोर्ड लगा है। इन्हें प्रारंभ करने को कहा गया है। आपने शिवना शुद्धीकरण की योजना को लेकर कई महत्वूपर्ण विषय प्रभारी मंत्री के समक्ष रखें। सबसे महत्वपूर्ण विषय के तहत श्रीमती भारती पाटीदार बैठक ने बताया कि यश नगर से लेकर बायपास तक इस क्षेत्र में उत्कृष्ट सड़क बनी हुई है जो की बायपास के मुख्य मार्ग को जोड़ती है और उसी रोड पर मेडिकल कॉलेज बना हुआ है मेडिकल कॉलेज के बैक साइड में कृषि उपज मंडी रोड है जिसके कारण जो बायपास से सारे वाहन मेडिकल कॉलेज के सामने होते हुए उत्कृष्टसड़क से होते हुए मंडी पहुंचते हैं अधिकतर भारी वाहन निकलते हैं। इस मार्ग से स्कूल एवं कॉलेज के छात्र - छात्राएं और आसपास के रहवासी क्षेत्रों के लोग भी आते जाते है जिस कारण दुर्घटना का भय बना हुआ रहता है इस हेतु एक छोटी सड़क को प्रस्तावित किया जाए जो की राम टेकरी केंद्रीय विद्यालय के यहां से मेडिकल कॉलेज तक रहे जिससे कि बच्चों को आने-जाने में सुविधा हो और एक मुख्य मार्ग फोर लाइन रोड भुनियाखेड़ी पर प्रस्तावित किया जाए ताकि जितना भी भारी वाहन है वह उसे रोड पर ट्रांसफर हो सके। आपने कहा कि जो शहरी क्षेत्र ग्रामीण फीडर से जुड़े हुए हैं जिसके कारण आए दिन यहां पर बिजली का सप्लाई बंद रहती है उन क्षेत्रों को शहरी फीडर से जोडने की व्यवस्था की जायें। जिला चिकित्सालय मंदसौर में रेडियोलॉजिस्ट नहीं होने के कारण सोनोग्राफी मशीन का संचालन नहीं हो पा रहा है यह विषय भी श्रीमती पाटीदार ने रखा। आपने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा भारतीय पर्वो पर सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित किये जाते है लेकिन इन कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा की जाती है उन्हें ससम्मान आमंत्रित तक नहीं किया जाता। आमजन भी इन कार्यक्रमों से नहीं जुड पाते क्योंकि पर्याप्त प्रचार प्रसार नहीं हो पाता। यह आयोजन सिर्फ अधिकारियों और कर्मचारियों तक की समिति रह जाते है जिस वजह से शासन की मंशा भी पूर्ण नहीं हो पाती और बडी राशि खर्च हो जाती है। नगर पालिका मंदसौर की भी यही स्थिति है सीएमओं के निर्देश पर अनेक आयोजन होते है लेकिन चुने हुए जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा यहां भी होती है स्थिति यह है आयोजन की जानकारी तक नहीं दी जाती। इस ओर भी आप संज्ञान लें और व्यवस्था सुधारनें के निर्देश प्रदान करें। आदि विषय जिला योजना समिति सदस्य भारती पाटीदार ने प्रभारी मंत्री निर्मला भूरिया के समक्ष रखें।

परिवारों को अपने वृद्धजन को वृद्धाश्रम नहीं भेजकर उनके अनुभव से जीवन संवारना चाहिए-नम्रता चावला

वात्सल्यधाम में वृद्धजन दिवस पर वृद्धजनों का किया सम्मान

मंदसौर, 01 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर रेवास देवड़ा रोड़ स्थित वात्सल्य धाम में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा मंदसौर द्वारा वृद्धजनों का सम्मान किया। इसी के साथ ही नगर के वरिष्ठनागरिकों का भी सम्मान किया। कार्यक्रम की शुरूआत में भारतीय रेडक्रॉस के चेयरमेन प्रितेश चावला ने सभी प्राकल्पों की जानकारी दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर पालिका उपाध्यक्ष नम्रता प्रितेश चावला ने कहा कि वृद्धाश्रम हमारे समाज की व्यवस्था नहीं है, यह पाश्चात्य संस्कृति की देन है। हमारे लिए बुजुर्ग भगवान के समान पूज्य है। परिवारों को अपने वृद्धजन को वृद्धाश्रम नहीं भेजकर उनके अनुभव से जीवन संवारना चाहिए। आने वाली पीढ़ी को अपनी संस्कृति को संवारना है तो परम पूज्य वरिष्ठजनों का सम्मान करना होगा। ज्ञानचंद्र खिमेसरा ने कहा कि प्रितेश चावला व भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी के सदस्य काफी सराहनीह कार्य कर रहे है। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी लगातार सेवा के कार्यो में अग्रणी रहता है। वरिष्ठ पत्रकार विक्रम विद्यार्थी ने कहा कि वरिष्ठजन समाज का आईना होते है। उनके अनुभव से ही हमारा जीवन को संवारता है। हमें हमारे बुर्जुगों का सम्मान करना चाहिए। गोपाल पटवा ने कहा कि वरिष्ठजनों की सेवा बहुत बड़ी सेवा है यह कल्पना से बाहर है। और यह मौका प्रितेश चावला को मिला है मैं उनकों बहुत शुभकामना देता हूॅ। हंसराज कबाड़ी ने कहा कि भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिस प्रकार से सेवा भाव का कार्य कर रही है वह काफी सराहनीय है। उन्है वरिष्ठजनों की सेवा करने के लिए ईश्वर ने चुना है। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी के चेयरमेन प्रितेश चावला ने कहा कि वात्यल्य धाम नही हमारा एक परिवार है। सभी हमारे लिए पूज्य है। उन्होने कहा कि हमें वृद्धजनों व माता पिता का सम्मान करना चाहिए। इस अवसर पर नगर के वरिष्ठजन गोपाल पटवा, ज्ञानचंद्र खिमेसरा, विक्रम विद्याथीर्, हंसराज कबाड़ी, केएल मेहरा, शंकर लाल जी व्यास, महेन्द्र जैन, शिवप्रकाष जोशी सहित अन्य वरिष्ठनागरिकों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन राजेश नामदेव ने किया और आभार रेडक्रॉस चेयरमेन प्रितेश चावला ने माना। इस अवसर पर भारतीय रेडक्रास सोसायटी जिला शाखा मंदसौर की प्रबंध समिति के सदस्य संजय पोरवाल वाईस चेयरमेन, राजेन्द्र अग्रवाल (प्रदेश प्रतिनिधि), डॉ. कमलेश कुमावत, राजेश नामदेव, हेमन्त शर्मा, चन्द्रशेखर निगम, डॉ. आशीष खिमेसरा, पुष्पेन्द्र भावसार, कुलदीप सिंह सिसौदिया उपस्थित थे।

प्रभारी मंत्री ने जनसुनवाई में आम लोगों की समस्या को सुना

मंदसौर, 01 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। महिला बाल विकास विभाग एवं जिले की प्रभारी मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने मंदसौर जिले के भ्रमण के दौरान कलेक्टर कार्यालय में आयोजित होने वाली जनसुनवाई के दौरान आम नागरिकों की समस्याओं को सुना तथा निराकरण किया। जनसुनवाई के दौरान बगदू दास पिता जगन्नाथ निवासी गोपालपुरा द्वारा प्रभारी मंत्री को ट्राई साइकिल के लिए आवेदन दिया। जिस पर प्रभारी मंत्री ने सामाजिक न्याय विभाग को तुरंत ट्राई साइकिल प्रदान करने के निर्देश दिए। श्री आनंद लोहार निवासी दलोदा द्वारा आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए आवेदन दिया गया था। जिस पर तुरंत आयुष्मान कार्ड बनाने, आभा आईडी कार्ड बनाने के लिए निर्देश दिए गए। साथ ही सीएम स्वेच्छानुदान मद से 10 हजार देने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही शिवनारायण निवासी ग्राम परासली घाटा द्वारा पीएम आवास में ग्राम पंचायत द्वारा राशि लिए जाने के संबंध में शिकायत आवेदन दिया। जिसके लिए प्रभारी मंत्री ने जांच कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही रास्ता विवाद, अफीम के पत्ते के लिए, सीमांकन, नामांतरण इत्यादि के लिए आवेदनकर्ताओं द्वारा आवेदन दिए गए। जिस पर समय सीमा में तुरंत निराकरण करने के निर्देश दिए।

सुश्री भूरिया की अध्यक्षता में जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद की साधारण सभा की बैठक संपन्न

मंदसौर, 01 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। महिला बाल विकास विभाग एवं जिले की प्रभारी मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय सभागार में प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद की साधारण सभा की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से जिले का पर्यटन, पुरातत्व एवं प्रगतिशील निर्माण कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। शिवना शुद्धिकरण के लिए भी आगामी दिनों में समीक्षा बैठक आयोजित करें। इस समीक्षा बैठक में सभी जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। भगवान पशुपतिनाथ लोक निर्माण कार्य का 50 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है तथा आगामी 4 मार्च 2025 तक कार्य पूर्ण हो जाएगा। पशुपतिनाथ लोक का निर्माण

कार्य बहुत अच्छा हो इसके लिए अच्छे पत्थरों का उपयोग हो। फूल माला निस्तारीकरण के लिए एक यंत्र कैंपस में ही स्थापित किया जाए। पशुपतिनाथ लोक में सोलर प्लांट पर भी कार्य हो। जिससे सस्ती बिजली उत्पन्न हो और मंदिर परिसर में ही काम आए। संग्रहालय अनुरक्षण एवं विकास के कार्य हो। हिंगलाजगढ़, चतुर्भुज नाला को संरक्षित करने का प्रस्ताव रखा गया। धर्मराजेश्वर मंदिर और बौद्ध गुफा के संरक्षण के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार के साथ मिलकर समन्वय के साथ काम करें। बैठक के दौरान उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा, लोकसभा सांसद श्री सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार, मंदसौर विधायक श्री विपिन जैन, गरोठ विधायक श्री चंदर सिंह सिसोदिया, सुवासरा विधायक श्री हरदीप सिंह डंग, श्री नानालाल अटोलिया, श्री मुकेश काला सहित अन्य सभी जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारियों में कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनंद, सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन सहित अन्य सभी जिलाधिकारी मौजूद थे।

मुखबिरी करने का आरोप लगाकर पीटा

पिपलियामंडी, 01 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मुखबिरी करने का आरोप लगाकर मारपीट करने पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। एरा निवासी रामकिशन धाकड ने नाहरगढ़ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि मैं विशनिया डाक बंगले पर बाइक से पंप पर पेट्रोल भरवाने गया था, इसी दौरान निपानिया (सीतामउ) निवासी गोपालसिंह गुर्जर मिला और बोला कि तुम हमारी मुखबिरी करते हो। गाली-गलौज कर मारपीट की, लोहे के सलिए से सिर पर चोंट पहुंचाई। पुलिस ने गोपालसिंह पर केस दर्ज किया।

सनातन धर्म की सही जानकारी...

पेज एक से जारी

इस्लाम की जड़े मजबूत करने के लिए इसके लिए आगे आना चाहिए।

सीएए और एनआरसी मुसलमानों के हित में नहीं – उन्होंने यह भी बताया, मेरे मुस्लिम फ्रेंड ने मुझे ओपनली बताया कि उनकी योजना स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, आईटी सेक्टर में अपना डोमिनेंस स्थापित किया है और इस तरह से सभी गैर मुसलमानों को इस्लाम में परिवर्तित करना है। उसके मुस्लिम दोस्तों ने ये भी कहा कि सीएए और एनआरसी भारत के मुसलमानों को नुकसान पहुंचाने के लिए हैं। इनका डटकर मुकाबला करना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी से सबसे ज्यादा नफरत करती थी – वह कहती हैं, क्या आप जानते हैं कि उस समय मैं किससे सबसे ज्यादा नफरत करती थी। वो कोई और नहीं बल्कि हमारे देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी हैं। मैं उस समय भयानक मानसिक स्थिति में पहुंच गई थी। उस समय मेरा ऐसा ब्रेन वॉश किया गया कि मैं भारत के खिलाफ किसी भी हद तक जा सकती थी। इसके बाद मैं अपनी पूरी फैमिली को इस्लाम में परिवर्तित करने में लग गई। लेकिन सफल नहीं हुई। मेरे फ्रैंडने मुझे कुरान से संबंधित अनुवाद और जाकिर नाइक की वीडियो भेजे। उसे पढ़कर और सुनकर मैं हिंदू विरोधी होती गई। कुछ समय बाद मैंने अपने परिवार को बताया कि मैंने इस्लाम कबूल कर लिया है। भगवान श्रीकृष्ण को मानने वाला मेरा परिवार इस बात को सहन नहीं सका। खुशी के दिन दुख में बदले। मेरे माता-पिता हमेशा रोते रहते थे। उनके पास मेरे सवालों के जवाब नहीं थे। मैं अपने घर पर ही नमाज पढ़ने लगी और जब कभी नमाज नहीं पढ पाती तो अंदर ही अंदर बेहद दुखी होती थी। मुझे हर पल ये डर सताने लगा कि अगर मैंने समय पर नमाज नहीं पढ़ी और छोड़ दी तो अल्लाह मुझे सजा देगा। पहले मैं चोरी छिपे नमाज पढती थी, लेकिन कुछ समय बाद मैंने खुले में नमाज पढ़ने का फैसला किया।

वह बताती हैं, मैंने सनातन धर्म में लौटने का फैसला किया। शिव के बिना कोई शक्ति नहीं है। आचार्य श्री मनोज ने मेरी आंखे खोल दी। उनके कारण ही हम आज आपके सामने बोल पा रहे हैं। हम उनके ऋणी हैं। जो कभी हिंदू धर्म को नष्टकरने पर अमादा थी, उन्होंने हमें सनातन धर्म का ध्वजवाहक बना दिया। वायरल वीडियो को देखने के बाद सोशल मीडिया पर यूजर्स का कहना है कि सभी अपने बच्चों से धर्म के बारे में जरूर बात करें। उन्हें अपने धर्म के बारे में शिक्षा दें, नहीं तो वे बर्बाद हो जाएंगे।

बता दें कि सुदीप्तो सेन की फिल्म 'केरल स्टोरी' वर्ष 2023 में रिलीज हुई थी। फिल्म के रिलीज होने के बाद कई पीड़िताओं ने खुद सामने आकर अपनी आपबीती सुनाई थी। उन्होंने कहा था कि यह वही है जो आज न केवल केरल और भारत के कई जगहों पर, बल्कि दुनिया भर में हो रहा है। समाज में क्या हो रहा है, यह फिल्म सटीक ढंग से दर्शाती है।

ग्वालियर में लगे बांग्लादेश टीम वापस जाओ के नारे, हिंदू संगठन कर रहे 6 अक्टूबर के टी-20 का विरोध

ग्वालियर, 1 अक्टूबर। भारत और बांग्लादेश के बीच टी20 सीरीज का पहला मुकाबला 6 अक्टूबर को मध्यप्रदेश के ग्वालियर में खेला जाएगा। इससे पहले यहां बांग्लादेश टीम का विरोध हो रहा है।

बांग्लादेश में सनातनियों पर हो रहे अत्याचारों से आक्रोशित हिंदू संगठन मैच के विरोध में सड़कों पर उतर आए है। सकल हिंदू समाज ने मानव श्रृंखला बनाकर हाथ में बांग्लादेश टीम वापस जाओ केनारोंकी तख्तियां लेकर फूलबाग चौराहे पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में रविकांत भदौरिया, डा. जयवीर भारद्वाज, वसंत गोड्याले, लोकेंद्र मिश्रा, उद्दल सिंह परिहार, राजेश कुशवाह, दीपक राजपाल सहित अन्य लोग शामिल थे।

बारिश से राहत, तैयारियां पूरी, एक ही रूट से स्टेडियम जाएंगी दोनों टीम– इस बीच, मुकाबले की तैयारियां भी अंतिम चरण में है। होटल से क्रिकेट स्टेडियम तक जाने के लिए दोनों टीमों का रूट तैयार किया गया। दोनों टीमें एक ही रूट से स्टेडियम तक जाएंगी। पहले अलग-अलग रूट से टीमों को स्टेडियम तक ले जाने की तैयारी थी, लेकिन बाद में रूट बदला गया। दो अक्टूबर को टीमें ग्वालियर आ जाएंगी और 3 अक्टूबर से प्रैक्टिस शुरू होगी। दोपहर एक से चार बजे तक और शाम पांच से रात आठ बजे तक टीमें प्रैक्टिस करेंगी। पहले दिन भारतीय टीम दोपहर में प्रैक्टिस करेगी और बांग्लादेश की टीम शाम को प्रैक्टिस करेगी। दूसरे दिन बांग्लादेश की टीम दोपहर और भारतीय टीम शाम को प्रैक्टिस करेगी। यह व्यवस्था अल्टरनेट रहेगी। 6 अक्टूबर को स्टेडियम तक पहुंचने वाले रास्ते पर सुबह से ट्रैफिक बंद रहेगा।

पुलिस मुख्यालय से मिले 1871 जवान– क्रिकेट मैच को लेकर सुरक्षा प्लान तैयार कर लिया गया है। 1871 जवान पुलिस मुख्यालय से मिले हैं। यह जवान एक अक्टूबर और चार अक्टूबर को ग्वालियर आ जाएंगे। अशोकनगर, गुना, शिवपुरी, भिंड, मुरैना, श्योपुर, टीकमगढ़, सागर, राजगढ़, भोपाल, इंदौर से फोर्स ग्वालियर भेजा जा रहा है। एसएएफ और रिजर्व फोर्स की नौ कंपनियां, पीटीएस के 450 नवआरक्षक, वन विभाग का फोर्स, पीटीएस के सुपरवाइजरी स्टाफ के 60 पुलिसकर्मी सुरक्षा में तैनात रहेंगे। इसके अलावा ग्वालियर जिला पुलिस बल का करीब साढ़ेतीन हजार का फोर्स मौजूद है। सुरक्षा में करीब चार हजार जवान लगेंगे।

✻ उठावना ✻

विनोद, ललित, शैलेन्द्र चौबे के

पिताजी पं. श्याम कुमार जी चौबे का निधन दिनांक 30 सितंबर को हो गया है जिनका उठावना आज 2 अक्टूम्बर 2024, बुधवार समय दोपहर 4 बजे चित्रगुप्त मंदिर, चिचानी कालोनी, नागदा गली के पीछे, रेल्वे स्टेशन रोड, मन्दसौर पर रखा गया है।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻

चौबे परिवार मन्दसौर

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मंदसौर म.प्र.

E-Mail-modgmman@mp.gov.in

क्रमांक/1306/खनिज/2024 मंदसौर, दिनांक–26.09.2024

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18(1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के लिए

//// द्वितीय सूचना ////

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक दामोदर मिनरल, सीतामऊ फाटक, मंदसौर, जिला मंदसौर द्वारा क्रेशर मशीन लगाकर गिट्टी बनाने एवं विक्रय के लिए पत्थर खनिज का उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर आनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 09.08.2024 को प्रस्तुत किया गया है। इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना 1078/खनिज/2024 मंदसौर दिनांक 16.08.2024 प्रकाशित की गई थी। इस क्षेत्र पर पुनः 16.10.2024 तक इस क्षेत्र पर यथा स्थित उत्खनिपट्टा आवेदन आन लाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नं.	रकबा	भूमि का प्रकार (शासकीय/निजी)	खनिज का नाम	रिमार्क
मंदसौर	मंदसौर	डिगांवखुर्द	321	3.000 है.	शासकीय	गिट्टी पत्थर, एम.सेण्ड एवं मुरम (क्रेशर आधारित)	---

1. उपरोक्त प्रस्तुत आनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 16.10.2024 तक कार्यालयीन समय सायं 5.30 बजे तक आनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। 2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को मप्र गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा। 5. निर्धारित समयावधि के उपरान्त प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी
खनिज शाखा जिला मंदसौर म.प्र.

G-17009/24 दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in